मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 139
भोपाल, मंगलवार
15 जुलाई 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 पीसी बोले- घोटालों पर सरकार से मांगेंगे जबाव...

कबड्डी विश्वकप में खेल सकती है हिमाचल की 5 बेटियां 06

विदेश यात्रा का तीसरा दिन

दुबई के भारत मार्ट पहुंचे सीएम डॉ. यादव, आज स्पेन के लिए होंगे रवाना

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी विदेश यात्रा के तीसरे दिन आज दुबई की लीडिंग लॉजिस्टिक्स कंपनी द्वारा संचालित भारत मार्ट पहुंचे। यहां सीएम मप्र की एमएसएमई यूनिट्स को भारत मार्ट से जोड़ने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। भारत मार्ट भारतीय एमएसएमई प्रोडक्ट्स को वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्लेटफार्म बन रहा है। वहीं सोमवार को दुबई में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत का विरोध किसी देश से न होकर आतंकवादियों से है। सीएम आज दुबई की लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दुबई से स्पेन की राजधानी मेड्रिड के लिए रवाना होंगे, जहां वे मध्यप्रदेश की वैश्विक निवेश यात्रा को नए आयाम देने के उद्देश्य से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

सोमवार को विदेश यात्रा के दूसरे दिन सीएम ने दुबई में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम के सत्र को संबोधित करते हुए कहा-उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहनकारी नीतियों का लाभ देने के साथ ही नीतियों से हटकर भी अतिरिक्त सुविधाएं देने का काम किया जाएगा। सीएम ने दुबई के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में पर्यटन, टेक्सटाइल और एमएसएमई सहित अन्य सेक्टर्स में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

दुबई और भारत का पुराना संबंध, भारत का विरोध किसी देश से नहीं, आतंकवाद से है

दुबई में भारतीय मूल के उद्यमी विकास में सहयोगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता यह है कि उद्यमी केवल धन संग्रहित न करें, बल्कि उस धन को उद्यम में लगाकर अपने व्यवसाय को और बढ़ाएं। इससे व्यापार कई गुना बढ़ जाता है। व्यापार की यह समझ दुबई के उन उद्योगपतियों में है जो भारतीय हैं और इस देश के विकास में विशेष सहयोगी हैं। टेक्समास टेक्सटाइल क्षेत्र देखकर सुखद अनुभव हुआ है, यहां योजना पक्ष की श्रेष्ठता देखने को मिली है। यह मॉडल मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास रहेगा।

मध्यप्रदेश के दरवाजे सबके लिए खुले

डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सभी सेक्टर के निवेशकों का स्वागत कर रहा है। हम इसी उद्देश्य से दुबई आए हैं। केंद्र और राज्य सरकार गरीब से गरीब की जिंदगी बेहतर करने के लिए काम कर रही है। उद्योगपतियों के आगे बढ़ने के पीछे भारतीय संस्कृति और खान-पान की बड़ी भूमिका है। मध्यप्रदेश के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं।

भारत का विरोध आतंकवादियों से है

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह दुनिया को दिखा दिया कि हम शत्रु के घर में घुसकर उसे मार सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जीयो और जीने दो का संदेश भी दिया है। भारत का विरोध किसी देश से न होकर आतंकवादियों से है।

संक्षिप्त समाचार

भारत समेत कई देशों में ठप पड़ा एलन मस्क का एक्स

नई दिल्ली। एलन मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक बार फिर से ठप पड़ा है। अभी दो दिन पहले ही पूरे अमेरिका में एक्स डाउन था। आउटेज को ट्रैक करने वाली साइट डाउनडिटेक्टर ने भी एक्स के डाउन होने की पुष्टि की है। एक्स के यूजर्स लॉगिन नहीं कर पा रहे हैं, हालांकि जो यूजर्स लॉग्ड इन हैं, वे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। डाउनडिक्टेटर के मुताबिक एक्स में भारत में आज यानी 15 जुलाई को सुबह 8 बजे से दिक्कत आ रही है। खबर लिखे जान तक 63 यूजर्स ने शिकायत की है। साइट के मुताबिक 76 फीसदी यूजर्स को लॉगिन में और 24 फीसदी को वेबसाइट में दिक्कत आ रही है।

विधायक के बेटे ने कॉन्स्टेबल को कार से मारी टक्कर, केस दर्ज

आलीराजपुर। आलीराजपुर बस स्टैंड पर जोबट की कांग्रेस विधायक सेना महेश पटेल के बेटे पुष्पराज पटेल ने बिना नंबर की तेज रफ्तार कार चलाते हुए कॉन्स्टेबल को टक्कर मार दी। घटना 13 जुलाई की है। कॉन्स्टेबल राकेश गुजरिया और राकेश अनारे रात में गश्त कर रहे थे। जब वह बस स्टैंड पर अधिकारी से बात कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार एसयूवी उनकी ओर आई। कॉन्स्टेबल अनारे ने कार को रोकने की कोशिश की तभी चालक ने कार उन्हीं की ओर घुमा दी। अपनी ओर तेज रफ्तार एसयूवी आते देख दोनों वहां से कूदकर भागे। इसके बावजूद एसयूवी अनारे को चपेट में लेते हुए सीधे बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे में गुजरिया को कमर, सीधे पैर के पंजे और चेहरे पर चोटें आई हैं। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के अधिनियम में केस दर्ज किया है।

आत्मदाह की कोशिश करने वाली छात्रा ने भुवनेश्वर एम्स में तोड़ा दम

नई दिल्ली। ओडिशा में आत्मदाह की कोशिश करने वाली छात्रा की भुवनेश्वर एम्स में मौत हो गई। पीड़िता ने पहले आत्मदाह करने की कोशिश की थी, कॉलेज में प्रोफेसर द्वारा यौन उत्पीड़न से वो परेशान हो चुकी थी। लेकिन अब 20 वर्षीय छात्रा ने दम तोड़ दिया, डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों के मुताबिक पीड़िता 90 फीसदी तक झुलस चुकी थी, पहले उसे बालासोर के जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, लेकिन हालत देख एम्स में शिफ्ट किया गया। अब जब पीड़िता की मौत हो चुकी है, एम्स भुवनेश्वर ने भी एक बयान जारी किया है।

20 दिन अंतरिक्ष में और 18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताया

आज धरती पर लौटेंगे शुभांशु पूरे देश में प्रार्थनाओं का दौर

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

भारत का बेटा शुभांशु शुक्ला 20 दिन अंतरिक्ष में और 18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताने के बाद आज धरती पर वापस लौट रहा है। इसके लिए पूरे देश में प्रार्थनाओं का दौर चल रहा है। शुंभाशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का कैप्सूल मंगलवार को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के समुद्र में उतरेगा। शुभांशु शुक्ला का यान सोमवार शाम करीब 4.45 बजे अंतरराष्ट्रीय स्पेश स्टेशन से अनडॉक हुआ।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की आज धरती पर वापसी को लेकर उनके पिता शंभु दयाल शुक्ला बेहद उत्साहित और खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस स्प्लैशडाउन को इतिहास में याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा बेटा आज मिशन पूरा कर धरती पर वापस लौट रहा है, इसे लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने हमें बेहद गौरवान्वित किया है। यह इतिहास में दर्ज होगा। हम उनकी सुरक्षित लैंडिंग के लिए दुआ कर रहे हैं। यह पूरे देश के लिए खुशी का दिन है। मैं देशवासियों की दुआओं के लिए उनका धन्यवाद देता हूं। वह हमारा बेटा है, लेकिन साथ ही वह पूरे देश का भी है।

सात दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाएगा

शुभांशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों के धरती पर सुरक्षित उतरने के बाद उन्हें सात दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाएगा। दरअसल 18 दिन शून्य गुरुत्वाकर्षण में बिताने के बाद अंतरिक्षयात्रियों को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण वाले वातावरण में सामंजस्य बिठाने में कुछ दिन का वक्त लग जाता है। इस दौरान उनकी स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा निगरानी की जाएगी। भारत लौटने से पहले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को कई शारीरिक और मनोवैज्ञानिक जांच से गुजरना होगा।

लखनऊ में घर उत्सव जैसा माहौल

शुभांशु के गृहनगर लखनऊ में गजब उत्साह है। शहर भर में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पोस्टर लगे हुए हैं, जिनमें उन्हें शुभकामनाएं दी गई हैं। पूरा लखनऊ शहर अपने बेटे की वापसी का इंतजार कर रहा है और शहर के लोग दुआएं कर रहे हैं। शुभांशु शुक्ला के घर को रोशनी से सजाया गया है और घर पर उत्सव जैसा माहौल है।

अंतरिक्ष में 18 दिन क्या किया

ग्रुप कैप्टन ने 18 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताए। उन्होंने 60 प्रयोगों को अंजाम दिया, जिनमें से सात प्रयोग इसरो के थे। शुभांशु अपने साथ 263 किलो वैज्ञानिक सामान लेकर धरती पर लौट रहे हैं, जिससे भविष्य में अंतरिक्ष कार्यक्रमों को बड़ी मदद मिल सकती है। साल 2027 में इसरो अपना पहला मानव मिशन गगनयान लॉन्च करेगा।

आठ चरणों में होगी कैप्सूल की धरती पर वापसी

शुभांशु शुक्ला की 8 चरण में धरती पर वापसी होगी। पहले चरण में सोमवार शाम 4.45 बजे शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से अलग हुआ। शाम 5.11 बजे कैप्सूल का इंजन बर्न ऑन किया गया। मंगलवार सुबह करीब साढ़े सात बजे हीट शील्ड को तैयार किया गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा। इसके बाद करीब ढाई बजे हीट शील्ड पृथ्वी के वायुमंडल में तेजी से आगे बढ़ेगी, जिसके चलते हीट शील्ड का तापमान 1600 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा और यही चरण सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। धरती के वायुमंडल में सफलतापूर्वक दाखिल होने के बाद धरती की सतह से करीब 5.7 किलोमीटर ऊपर कैप्सूल का पहला पैराशूट खुलेगा और जब कैप्सूल धरती से दो किलोमीटर ऊपर रह जाएगा, तब दूसरा पैराशूट खुलेगा। इसके बाद कैप्सूल दोपहर करीब तीन बजे कैलिफोर्निया के समुद्र में लैंड होगा।

ई मेल में लिखा दोपहर 3 बजे विस्फोट होगा

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई ■ एजेंसी

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद मुंबई के रमाबाई मार्ग पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया गया, हालांकि अबतक पुलिस की खोजबीन में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस की तरफ स मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को बीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर एक ईमेल के माध्यम से यह धमकी दी गई। अब क्योंकि रविवार को स्टॉक एक्सचेंज बंद था, इसलिए सोमवार को ईमेल मिलने के बाद शिकायतकर्ता ने शाम को पुलिस से संपर्क किया। इस ईमेल में लिखा था, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की फिरोज टावर बिल्डिंग में 4 आरडीएक्स आईईडी बम रखे गए हैं और दोपहर 3 बजे उनमें विस्फोट होगा। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(1)(ब), 353(2), 351(3), 351(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक यह एक हॉक्स मेल है और आरोपी ने पहले भी इस तरह का मेल भेजा हुआ है।

दिल्ली के सेंट स्टीफन्स कॉलेज में भी बम की सूचना से हड़कंप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली के सेंट स्टीफन्स कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को बम से उड़ने की धमकी मिली है। ईमेल के जरिए अज्ञात लोगों ने यह धमकी दी है, धमकी के तुरंत बाद बॉम्ब स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं और इस समय जांच की जा रही है। सावधानी बरतते हुए सेंट स्टीफन कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को अभी के लिए खाली करवा दिया गया है, सभी छात्र और टीचर पूरी तरह सुरक्षित हैं। शुरुआती जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध दोनों ही जगह नहीं मिला है, लेकिन अभी भी तफ्तीश जारी है। सोमवार को भी दिल्ली में नेवी और सीआरपीएफ के स्कूल को बम से उड़ने की धमकी आई थी, लेकिन जांच के बाद वो धमकी फर्जी निकली।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में बड़ा हादसा

गहरी खाई में गिरा टैम्पो, पांच लोगों की मौत, कई अन्य घायल

जम्मू ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के डोडा से दिल दहला देने वाले हादसे की खबर सामने आई है। यहां यात्रियों से भरा एक टैम्पो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस भीषण दुर्घटना में अब तक 5 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद बचाव अभियान चलाया गया है और हादसे में घायल हुए अन्य यात्रियों को ईलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। दरअसल, ये दर्दनाक सड़क हादसा जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के पोंडा क्षेत्र के पास भरत बगला इलाके में हुआ है। हादसे में दस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत जीएमसी डोडा रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, जो टेम्पो ट्रैवलर हादसे का शिकार हुआ वह 20 से अधिक यात्रियों को ले जा रहा था।

छतरपुरः तालाब में डूबे तीन भाई बहन

स्कूल से लौटकर आम तोड़ने गए थे, फिसलकर पानी में गिरे

छतरपुर। जिले के हटवा गांव में सोमवार को हादसे में तीन सगे भाई-बहनों की खेत के तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में 10 साल की लक्ष्मी, 8 साल की तनु और 4 साल का लोकेंद्र शामिल हैं। तीनों, गांव निवासी प्रतिपाल सिंह के बच्चे थे। जानकारी के मुताबिक, बच्चे स्कूल से लौटने के बाद खेत में लगे आम के पेड़ पर फल तोड़ने गए थे। इसी दौरान वे तालाब के पास पहुंचे और अचानक फिसलकर पानी में गिर गए। परिजन जब तक खेत पहुंचे, तब तक बच्चे पानी में डूब चुके थे। रात 9:30 बजे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। बच्चों को तत्काल बारीगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बच्चों के शवों को लवकुशनगर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया।

अहमदाबाद हादसे से पहले ब्रिटिश एजेंसी ने दी थी चेतावनी

फ्यूल कंट्रोल स्विच में गड़बड़ी बताने का दावा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट सामने आने के बाद बड़ा दावा किया गया है। कहा जा रहा है कि हादसे से चार सप्ताह पहले ब्रिटेन के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) ने भी बोइंग के विमानों में फ्यूल कंट्रोल स्विच में गड़बड़ी की शिकायत की थी। सीएए ने अपनी चेतावनी में बोइंग के पांच प्रमुख विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की रोज जांच करने के लिए कहा था। मगर एअर इंडिया ने इसे भी नजर अंदाज कर दिया। हालांकि हादसे की जांच कर रही भारतीय एजेंसी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में इस तथ्य का जिक्र नहीं किया है।

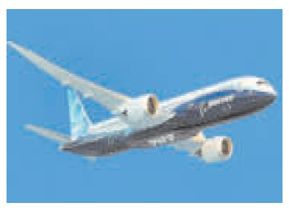

यूके सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएए) ने 15 मई 2025 को एक सुरक्षा नोटिस जारी किया था। इसमें कहा गया था कि बोइंग के मॉडल के विमान चलाने वाली एयरलाइन्स को अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के एयरवर्थीनेस डायरेक्टिव को मानने की सलाह दी गई थी। एफएए ने अपने एयरवर्थीनेस डायरेक्टिव में बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीएए ने नोटिस में कहा था कि अमेरिकी एजेंसी ने जो एयरवर्थीनेस डायरेक्टिव जारी किया है, उसके मुताबिक बोइंग के पांच प्रमुख विमान मॉडल बी737, बी757, बी767, बी777, बी787 के फ्यूल कंट्रोल स्विच में गडबड़ी की संभावनाए हैं और इसे रोज चेक करने की जरूरत है। अहमदाबाद में हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग 787-8 था।

अंतर्मना उवाच

कुछ ना था तो खुदा था, कुछ ना होता तो खुदा होता.. हमको डुबोया अपनों ने, कोई ना होता तो मैं खुदा होता..!

हम बाहर के कुछ को ना देखकर, यदि भीतर के कुछ पाने में दिमाग लगायें तो हम सब कुछ पा जायेंगे। ***जो शरीर के पीछे भाग रहा है, वह सब कुछ खो रहा है। जो आत्मा को जानने के लिए भीतर झांक रहा है, वह सब कुछ पाने के या खुदा बनने के लिए परिश्रम कर रहा है।*** *खुदा को पाने के लिए खुद के भीतर खोदो। भीतर जितना जानने के जूनून से खोदोगे, खुदा उतने करीब आता जायेगा। यह तुम अच्छे से जानते हो कि देह सब कुछ नहीं है, यह तो मरण धर्मा है। जो कहता है कि मैं आत्मा हूं - और मेरी देह के भीतर देवाधिदेव विराजमान है। देह के भीतर का जो आयाम है, उसका नाम ही आत्मा है।*

मैं तुमसे कहता हूं - कि सुख पाने के लिये बाहर मत भटको, और कहीं जाने की आवश्यकता भी नहीं है। तुम जहां हो, बस वहीं थोडा होश आ जाये। *होश में एक बार भीतर का दीया जल जाये, उस दीये के प्रकाश में भीतर की चीजें जैसी है वैसी दिखाई पड़ने लग जाये,* ***(भीतर की चीज से मतलब है खुद की बुरी आदतों को खुद की आंख से देखना)*** *ना बेहोशी की आंख से, ना नशे की आंख से,, होश की आंख और खुली आंख से।*

इसलिए कबीर ने कहा -

हम तो कबहू निज घर आये...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

भारत-चीन के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन के दौरे पर हैं। जयशंकर के इस दौरे से भारत और चीन के बीच संबंधों व्यापक सुधार होने की उम्मीद है। इस बीच जयशंकर ने पहले उन्होंने बीजिंग में अपने काउंटरपार्ट वांग यी से मुलाकात की और अब उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की है। विदेश मंत्री ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर जानकारी दी है और बताया है कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की शुभकामनाएं उन्होंने शी जिनपिंग को दी हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों में हो रही प्रगति से जुड़ी जानकारी भी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को दी। जयशंकर ने इस दौरान इस बात को भी रेखांकित किया कि भारत और चीन के बीच संबंधों को दिशा देने में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री एससीओ के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचे थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था चीन का दौरा

बता दें कि, हाल ही में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी बंदरगाह शहर किंगदाओ की यात्रा की थी। चीन शंघाई सहयोग संगठन का वर्तमान अध्यक्ष है और इस नाते इस समूह की बैठकों की मेजबानी कर रहा है।

चीनी समकक्ष वांग यी से मिले विदेश मंत्री

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इससे पहले सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बैठक की थी। बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा था पिछले 9 महीनों में द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा था कि भारत और चीन को अब वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बैठक में अपने प्रारंभिक भाषण में जयशंकर ने कहा था कि दोनों देशों के बीच संबंध इस आधार पर सकारात्मक रूप से आगे बढ़ सकते हैं कि भारत और चीन के बीच मतभेद विवाद में नहीं बदलना चाहिए।

चीन के उपराष्ट्रपति से मिले एस जयशंकर

वांग यी से पहले जयशंकर ने बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान जयशंकर ने हान झेंग से कहा था कि भारत-चीन संबंधों के निरंतर सामान्य बने रहने से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। जटिल वैश्विक स्थिति को देखते हुए, दोनों पड़ोसी देशों के बीच विचारों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत में टेस्ला के पहले शोरूम की लॉन्चिंग, मुंबई के बीकेसी में खुला पहला सेंटर

मुंबई। मशहूर इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला ने भारत में औपचारिक रूप से एंट्री कर ली है। मंगलवार को मुंबई के बीकेसी में टेस्ला के पहले शोरूम की लॉन्चिंग हुई। टेस्ला का शोरूम मुंबई में बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स के मेकर मैक्सिटी मॉल में खुला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने टेस्ला के शोरूम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देश में टेस्ला का स्वागत करते हुए कहा कि टेस्ला, वेलकम टू इंडिया। भारत में टेस्ला की योजनाओं को लेकर काफी चर्चाएं हैं।

संक्षिप्त समाचार

एमपी हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस बने संजीव सचदेवा

जबलपुर। जस्टिस संजीव सचदेवा मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस बनाए गए हैं। सोमवार को केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

जस्टिस संजीव सचदेवा को 24 मई 2025 को एक्टिंग चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया था। वे तत्कालीन चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत के रिटायरमेंट के बाद से चीफ जस्टिस का दायित्व संभाल रहे हैं। इससे पहले भी वे 9 जुलाई 2024 से 24 सितंबर 2024 तक प्रदेश के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का दायित्व संभाल चुके हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश हाइकोर्ट को एक और जज दिया है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की मध्यप्रदेश में नियुक्ति की गई है। वे अभी मद्रास हाईकोर्ट में हैं, जिनका ट्रांसफर जबलपुर किया गया है। अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 34 हो गई हैं।

पत्नी की बेवफाई से दुखी युवक ने किया सुसाइड

उज्जैन। उज्जैन में पत्नी की बेवफाई से दुखी 38 वर्षीय ट्रक ड्राइवर तनवीर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे पर झूलने से पहले तनवीर ने दो वीडियो बनाए और अहमदाबाद (गुजरात) में रहने वाली अपनी बहन रिजवाना कुरैशी को भेजा। जिसमें उसने पत्नी तंजिला, सास शकीला और पत्नी के दोस्त सोनू को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने कहा कि इन तीनों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। रिजवाना अपने भाई की मदद कर पाती, उससे पहले उसकी मौत हो गई। वीडियो देखने के बाद रिजवाना ने अपने दूसरे भाई कादिर को फोन लगाया और पूरा वाक्या बताया। कादिर इंदौर में ही रहता है। उसने भाई तनवीर को कई फोन लगाए, पर उसने नहीं उठाए। शाम को जब वह घर पहुंचा, तो तनवीर फंदे पर झूल रहा था। तनवीर और तंजिला की 14 साल पहले शादी हुई थी। उनके तीन लड़की और एक लड़का है। करीब सात वर्ष पहले पत्नी के अफेयर की बात सामने आने के बाद दोनों में विवाद शुरू हो गया। चिमनगंज मंडी के थाना प्रभारी गजेंद्र पचौरिया ने बताया कि मृतक का वीडियो बनाने की बात सामने आई है, जांच की जा रही है। वीडियो के आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

जटाशंकर धाम जाते समय श्रद्धालुओं को दिखा तेंदुआ

दमोह। दमोह जिले के मडियादो क्षेत्र में तेंदुए का दिखना अब कोई नई बात नहीं रही। मंगलवार सुबह दमोह से छतरपुर मार्ग पर मडियादो से चौरईया के बीच सड़क पर एक तेंदुआ दिखाई देने से सनसनी फैल गई। सावन माह में जटाशंकर धाम दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के सामने अचानक तेंदुआ आ गया, जिसे देख लोग स्तब्ध रह गए और जहां थे वहीं रुक गए। इस दौरान कई राहगीरों ने तेंदुए के वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिए, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेंदुआ कुछ देर तक सड़क किनारे बैठा रहा और फिर धीरे-धीरे जंगल की ओर चला गया। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक गर्भवती मादा तेंदुआ प्रतीत होती है, जो संभवत: प्रसव के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश में भटक रही है। बताया जा रहा है कि मडियादो क्षेत्र अब पन्ना टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में शामिल है, जिससे यहां वन्यजीवों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। तेंदुआ, भालू, नीलगाय, सोन कुत्ता, हिरण, हायना और भेड़िया जैसे कई हिंसक और संरक्षित वन्यजीव अब इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से देखे जा रहे हैं।

इंदौर के मुख्य रेलवे स्टेशन की बिल्डिंग का काम शुरू

इंदौर। रेल विभाग ने अलग-अलग चरणों में निर्माण का काम शुरू करने की योजना बनाई है, ताकि स्टेशन पर ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित न हो सके। पहले 60 मीटर वाले हिस्से में निर्माण होगा। उसका काम पूरा होने के बाद दूसरे हिस्से का निर्माण होगा। इंदौर में नई रेल बिल्डिंग का निर्माण का काम शुरू हो गया है। इसके लिए परिसर में लगे पेड़ों को नगर निगम की अनुमति लेकर काटा जा रहा है। मंगलवार को सांसद शंकर लालवानी की मौजूदगी में ठेकेदार कंपनी विधिवत काम शुरू करेगी। इस नई बिल्डिंग के निर्माण का भूमिपूजन लोकसभा चुनाव के पहले हो चुका है। इस बिल्डिंग के निर्माण पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी। तीन साल में बिल्डिंग का निर्माण पूरा होने का लक्ष्य रखा है। प्रोजेक्ट की समय सीम को लेकर पिछले दिनों नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सवाल उठा चुके है। उन्होंने बैठक में कहा था कि तीन साल बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला लगेगा। ज्यादातर भीड़ इंदौर से होकर उज्जैन जाएगी। यदि समयसीमा में निर्माण पूरा नहीं हो पाया तो सिंहस्थ के समय अधूरे निर्माण कार्य के कारण भक्तों को परेशानी आएगी।

बेटी की सगाई से 1 दिन पहले पिता की मौत

ग्वालियर में सब्जी लेने जा रहे थे, 20 सेकेंड में एक-एक कर तीन ट्रकों ने रौंदा

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में बेटी की सगाई से 1 दिन पहले पिता की मौत हो गई। घटना रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात की है। रात करीब 2 बजे 45 वर्षीय देवेंद्र जाटव होटल से अपने लिए सब्जी लेने जा रहे थे। इस बीच एबी रोड पर रामद्वारा के पास लक्ष्मीगंज पुलिया पर एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वे सड़क पर गिर पड़े। इसी बीच रिमझिम बारिश हो रही थी, और महज 20 सेकेंड में एक के बाद एक तीन ट्रक उनके ऊपर से गुजर गए। हादसा इतना भयानक था कि उनके दोनों पैर सड़क पर चिपक गए थे।

जिसके बाद उन्हें ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां सोमवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक की बड़ी बेटी की सगाई मंगलवार (15 जुलाई) को होनी थी, जिस सिलसिले में वह उसके होने वाले ससुराल जाने वाले थे। हादसा पास ही स्थित शराब दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है। फुटेज में ट्रक उसके ऊपर से गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं, हालांकि कैमरा घटना स्थल से थोड़ा दूर था।

गोल पहाड़िया नवग्रह कॉलोनी निवासी 39 वर्षीय गजेंद्र जाटव ने जनकगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे उनके बड़े भाई देवेंद्र जाटव लक्ष्मीगंज से बहोड़ापुर की ओर जा रहे थे। रामद्वारा के पास पुलिया पर किसी अज्ञात ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े। पहले ट्रक ने उनके पैरों को कुचला, फिर 20 सेकंड में एक-एक कर तीन ट्रक उनके ऊपर से गुजर गए।

गंभीर रूप से घायल देवेंद्र उस समय भी जीवित थे। सूचना मिलने पर गजेंद्र मौके पर पहुंचे और पुलिस की मदद से उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। इलाज के दौरान सोमवार को उनकी मौत हो गई।

जब वे देर तक घर नहीं लौटे तो उनका बेटा उन्हें ढूंढने के लिए निकला। कुछ देर बाद हादसे की जानकारी मिली। देवेंद्र को घायल अवस्था में ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन वे नहीं बच सके।

जनकगंज पुलिस ने बताया कि घटना स्थल के पास स्थित एक शराब दुकान के सीसीटीवी कैमरे में यह हादसा रिकॉर्ड हुआ है। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि कैसे सिर्फ 20 सेकंड में एक के बाद एक तीन ट्रक घायल देवेंद्र के ऊपर से गुजरते हैं।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे में शामिल ट्रकों की पहचान की जा रही है। फिलहाल जांच जारी है।

देवेंद्र जाटव, मृतक

कलर-पुट्टी का ठेका लेता था देवेंद्र

छोटे भाई गजेंद्र ने बताया कि देवेंद्र कलर-पुट्टी का ठेका लेकर काम करते थे। रविवार को वे घाटीगांव से काम कर लौटे थे। उनकी पत्नी किसी काम से अपनी बहन की ससुराल डबरा गई थीं। घर पहुंचने के बाद जब उन्होंने बेटी से खाने के बारे में पूछा, तो बेटी ने बताया कि रोटी है लेकिन सब्जी नहीं है। ऐसे में वे देर रात होटल से सब्जी लेने निकल पड़े। आसपास के होटल बंद होने के कारण वे थोड़ा आगे निकल गए।

आज बेटी की सगाई के लिए जाना था

गजेंद्र ने बताया कि देवेंद्र की दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी की सगाई तय करने के लिए 15 जुलाई को लड़के वालों के घर जाने की तैयारी थी, लेकिन इससे पहले ही यह हादसा हो गया।

कीचड़ भरे रास्ते से स्कूल जाने को मजबूर मासूम छात्र

सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर डाला; तीन किलोमीटर पक्की सड़क की मांग

रायसेन ■ निसं

जनपद पंचायत सिलवानी से सिर्फ 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बटेर के अंतर्गत आदिवासी बहुल टोला बड़ा खेत आज भी पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है। यहां के दर्जनों बच्चे और छात्राएं रोजाना दलदली, कीचड़ भरे रास्ते से फिसलते-पड़ते करीब तीन किलोमीटर दूर ग्राम खेरी के स्कूल तक जाने को मजबूर हैं। बड़ा खेत से खेरी स्कूल तक का करीब 3 किमी का कच्चा रास्ता बरसात में दलदल में बदल जाता है। बच्चों के कपड़े और किताबें कीचड़ से खराब हो जाती हैं। कई बार फिसलने से बच्चे घायल हो जाते हैं और कई बार स्कूल भी नहीं पहुंच पाते।

बच्चों ने वीडियो बनाकर लगाई मुख्यमंत्री से गुहार: इन हालातों से परेशान होकर बच्चों ने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कीचड़ में फिसलते हुए बच्चों का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें छोटे बच्चे और छात्राएं सीएम मोहन यादव, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और जनपद अधिकारियों से सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं। एक छात्रा वीडियो में कहती है, हम पढ़ना चाहते हैं, लेकिन कीचड़ नहीं जाने देता। किताबें भीग जाती हैं, कपड़े गंदे हो जाते हैं। हमें स्कूल जाने के लिए पक्की सड़क चाहिए।

आवेदन देने के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत, जनपद और जिला स्तर पर कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। सड़क की कमी बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित कर रही है।

बुनियादी सुविधाओं से वंचित बड़ा खेत

शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी जरूरतें आज भी यहां अधूरी हैं। प्रशासनिक अनदेखी का नतीजा यह है कि बच्चों को शिक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। हर साल आदिवासियों के नाम पर योजनाएं और बजट बनते हैं, लेकिन जमीनी हालात जस के तस हैं।

मंत्री ने जिस सड़क का जायजा लिया, दो घंटे बाद ही वो धसक गई, दो कार्यपालन यंत्री निलंबित

ग्वालियर ■ निसं

देशभर में चर्चित हो चुकी ग्वालियर की चेतकपुरी महल रोड एक बार फिर सुर्खियों में है। साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से बनी यह सड़क एक महीने के भीतर 15 बार धंस चुकी है, जिससे न केवल जनता परेशान है बल्कि शासन-प्रशासन की भी फजीहत हो रही है। ताज़ा घटनाक्रम में जब ग्वालियर के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट शहर में सड़कों का निरीक्षण करने पहुंचे, तो चेतकपुरी रोड पर न जाने को लेकर पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। सवालों से बचते हुए मंत्री मौके से निकलते नज़र आए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

पत्रकारों के सवालों से बचते नज़र आए मंत्री: प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने शहर की अन्य जर्जर सड़कों का निरीक्षण तो किया, लेकिन चेतकपुरी महल रोड पर जाने से परहेज़ किया। जब पत्रकारों ने पूछा कि वह महल रोड पर क्यों नहीं जा रहे, तो मंत्री ने जवाब दिया,मैं जाऊंगा, लेकिन कब जाऊंगा, यह आपको नहीं बताऊंगा। सवालों से बचते हुए मंत्री वहां से चले गए। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है और मंत्री के रवैये की आलोचना हो रही है।

मंत्री की मौजूदगी में सड़क फिर धंसी: मंत्री सिलावट जब निरीक्षण के दौरान पॉश इलाके सिटी सेंटर पहुंचे, तो कुछ घंटे पहले बनी सड़क अचानक धंसक गई। सड़क के नीचे सीवर का होल खुल गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मंत्री और अन्य लोग बाल-बाल बचे।

इंजीनियर निलंबित, भोपाल से जांच टीम रवाना: सड़क की खराब गुणवत्ता और निर्माण में लापरवाही के चलते चार इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है। प्रभारी मंत्री सिलावट ने कहा कि सड़क निर्माण में भारी गड़बड़ी हुई है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। भोपाल से विशेषज्ञों की टीम ग्वालियर भेजी गई है जो चेतकपुरी रोड की जांच कर रिपोर्ट शासन को सौंपेगी।

मऊगंज में बारिश का कहर, हाटा गांव में कच्चा मकान ढहा

पांच महिलाएं मलबे में दबीं, एक की हालत नाज़ुक

रीवा ■ निसं

मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के हाटा गांव में सोमवार शाम तेज बारिश के चलते एक कच्चा मकान ढह गया। हादसे के वक्त घर में मौजूद पांच महिलाएं मलबे में दब गईं। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सभी को बाहर निकाला गया।

मऊगंज में लगातार हो रही बारिश ने जिले में आफत ला दी है। सोमवार शाम हनुमना थाना क्षेत्र के हाटा गांव में एक कच्चा मकान भरभराकर ढह गया, जिससे घर के अंदर मौजूद पांच महिलाएं मलबे में दब गईं। हादसे के वक्त सभी महिलाएं घर में खाना बना रही थीं।

शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर दौड़े और तुरंत मलबा हटाकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सूचना पर पहुंची पुलिस की 100 डायल टीम ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमना पहुंचाया। इनमें से दुर्गावती यादव की हालत गंभीर होने के कारण उसे रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

घायलों में सरिता यादव, सुनीता यादव, बबिता यादव और श्याम कली यादव शामिल हैं, जिनका इलाज हनुमना अस्पताल में चल रहा है। स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई गांवों में लगातार बारिश से कच्चे मकान जर्जर हो गए हैं और कभी भी हादसा हो सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे जर्जर मकानों से बाहर निकलें और खतरे की स्थिति में तत्काल जानकारी दें।

ब्रिज पर पानी, रास्ते में घंटों तड़पी गर्भवती, मौत

रीवा में ससुराल में सड़क नहीं, मायके गई थी, बाढ़ के चलते अस्पताल नहीं पहुंच सकी

रीवा ■ निसं

रीवा में पुल पर बाढ़ का पानी आने से एक गर्भवती अस्पताल नहीं पहुंच सकी। वो दो घंटे तड़पती रही। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ससुराल में रास्ता खराब होने की वजह से वह मायके में रहने पहुंची थी।

घटना रविवार देर रात भटिगवां की है। परिजन ने कहा कि शव ले जाने में भी 40 किलोमीटर लंबा सफर तय करना पड़ा। सोमवार को उसका अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद परिजनों ने इस मामले में आवाज उठाई। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जांच की बात कही है।

बता दें कि सीधी जिले के खड्डी खुर्द गांव की 8 गर्भवती महिलाओं ने भी खराब सड़क के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

इनकी अगुआई कर रही है बघेली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू, जो खुद भी प्रेग्नेंट है।

नदी के एक तरफ अटके रहे परिजन: जवा तहसील के भटिगंवा गांव की रहने वाली प्रिया रानी कोल का ससुराल बरहट में है। वहां सड़कें नहीं होने की वजह से वह गर्भावस्था में मायके आ गई थी। प्रेग्नेंसी के दौरान अचानक देर रात तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे जवा अस्पताल लेकर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में महना नदी का उफान तेज था।

नदी किनारे तड़प-तड़पकर मौत

नदी किनारे प्रिया रानी तड़पती व परेशान होती रही। इस दौरान गांव के ही डॉक्टर को बुलाकर लाया गया। उसने महिला को देखा तो मृत बताया। परिवारवाले किसी तरह उसे 40 किलोमीटर का लंबा सफर तय करके ससुराल लेकर पहुंचे। प्रिया रानी के जेठ का कहना है कि उसका पहले से एक बेटा है।

रि-एग्जाम के लिए अब सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी

इंदौर। इंदौर और उज्जैन के 75 से ज्यादा स्टूडेंट्स का NEET UG रि-एग्जाम कराने संबंधी याचिकाएं खारिज होने के बाद प्रभावित स्टूडेंट्स ने सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी शुरू कर दी है। याचिकाकर्ता स्टूडेंट्स के वकील मृदुल भटनागर का कहना है कि 22 लाख स्टूडेंट्स में से 75 को छोड़कर अन्य सभी को अच्छा एनवायरमेंट देना, न्याय नहीं है। क्या 21 लाख स्टूडेंट्स के सफल होने की गारंटी थी। इस सहित कई मजबूत आधार तैयार किए जा रहे हैं, ताकि सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से पक्ष रखा जा सके। भटनागर कहते हैं इन स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी है। ऐसे में परिणाम पॉजिटिव हो या नेगेटिव, लर्निंग उसी से आती है। बिना किसी उद्देश्य के तैयारी नहीं होती।

इटावा और इटारसी के ग्रामीणों ने अवैध शराब के खिलाफ खोला मोर्चा

सीहोर ■ निसं

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के इटावा और इटारसी गांवों के ग्रामीणों ने अवैध शराब की बिक्री और नशे के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एकजुट होकर गोपालपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब के कारण गांव में भय, पारिवारिक कलह और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है।

सीहोर जिले के इटावा और इटारसी गांवों के ग्रामीणों ने नशे के बढ़ते प्रभाव और अवैध शराब की खुलेआम बिक्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण गोपालपुर थाने पहुंचे और अवैध शराब के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि गांव में अवैध शराब की बिक्री लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है और कई परिवार टूटने की कगार पर हैं।

इंदौर में कॉलेज छात्रा को कुत्तों ने गिराकर नोंच डाला

ललकारा तो एक बार लौट गए, फिर झुंड बनाकर आए और हमला किया

इंदौर ■ निसं

इंदौर शहर में आवारा कुत्तों के हमले की घटनाएं लगातार हो रही हैं। तीन दिन पहले ही श्रीनगर एक्सटेंशन में सुबह कॉलेज जा रही एक छात्रा पर एक साथ चार कुत्तों ने हमला कर दिया। इस बीच उसकी सहेली ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक कुत्तों ने छात्रा को गिराकर उसके पैर को नोंच डाला और काटकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। छात्रा ने पहले तो हिम्मत दिखाते हुए संघर्ष किया और उन्हें भगा दिया, लेकिन कुछ ही सेकेंड बाद कुत्तों का झुंड दोबारा आ गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना शनिवार (12 जुलाई) सुबह 6:30 बजे की है।

छात्रा को चक्कर आए तो वहीं बैठ गई: छात्रा कॉलोनी से कॉलेज जा रही थी, तभी दूर से एक साथ चार कुत्ते उसकी ओर लपके। वह संभलती, उससे पहले ही वे उस पर टूट पड़े और उसे गिरा दिया। इस दौरान छात्रा ने संघर्ष किया, लेकिन कुत्तों ने उसके पैरों में काट लिया। आपाधापी के बीच कुत्ते बार-बार भागते और फिर उस पर लपकते रहे।

इस दौरान आगे स्कूटी से जा रही उसकी सहेली रुकी, गाड़ी खड़ी की और छात्रा के पास पहुंचकर कुत्तों को भगाया। घायल छात्रा काफी घबरा गई थी और चक्कर आने पर वहीं बैठ गई। रहवासी दंपती विशाल और शैफाली अग्रवाल उसे अपने घर ले गए और उसके पैरों के जख्मों को साफ किया। उन्होंने बताया कि छात्रा सुबह एग्जाम देने जा रही थी, तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। काटने से छात्रा का एक पैर में गहरा जख्म हो गया है। इसके बाद वह अपनी सहेली के साथ इलाज के लिए रवाना हो गई।

रहवासी आनंद बागोरा व अन्य ने बताया कि कई बार निगम के 311 एप पर शिकायत की तो कचरा उठा लिया जाता है, लेकिन खाद्य पदार्थ के फेंकने से आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ गई है और वे हमला करने लगे हैं।

6 माह में 24 हजार लोगों पर कुत्तों ने किया हमला: सरकारी हुकुमचंद अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार, इस साल 1 जनवरी से 13 जुलाई तक करीब 24 हजार लोगों को आवारा कुत्तों ने अपना शिकार बनाया है। राहत की बात यह है कि एंटी रैबीज वैक्सीन के इलाज के बाद लगभग सभी पीड़ित अब स्वस्थ हैं, लेकिन कुत्तों के काटने का सिलसिला नहीं रुक रहा है।

जूठन फेंकने से बढ़ी आवारा कुत्तों की संख्या

दंपती सहित अन्य लोगों ने बताया कि इस पॉश कॉलोनी में आवारा कुत्तों का काफी आतंक है। उनका आरोप है कि इसका कारण पास की सोनिया गांधी नगर के रहवासियों द्वारा रोज यहां नॉनवेज, जूठन फेंकना है। नगर निगम की गाड़ी रोज कचरा उठाने आती है, लेकिन रात को फिर वहां के रहवासी यहां खुले में जूठन फेंक देते हैं। इससे नगर निगम की सफाई टीम भी परेशान है।

फर्जी नाम-पते पर महिला को भर्ती कराने वाला युवक पकड़ाया

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के मुरार स्थित जिला अस्पताल में रविवार सुबह एक महिला को गंभीर हालत में ऑटो से लाया गया था। तीन युवकों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया और फिर अचानक गायब हो गए। इलाज के दौरान दो घंटे के भीतर महिला की मौत हो गई। भर्ती के समय युवकों ने जो नाम, पता और मोबाइल नंबर दिया था, वह सब फर्जी निकले।

अब इस मामले में पुलिस ने जिला अस्पताल में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे के फुटेज से जांच की तो ऑटो नंबर से पुलिस उस युवक तक पहुंच गई जो महिला को भर्ती कराकर भाग गया था। युवक मालनपुर भिंड का रहने वाला है, जबकि मृतका बिहार राज्य की रहने वाली है।

तीन साल पहले वह उसे स्टेशन पर मिली थी। जिसे तीन साल से वह पत्नी बनाकर मालनपुर में किराए के घर में रह रहा था। रविवार सुबह किसी जहरीले कीड़े ने महिला को काटा था। इसके बाद मकान मालिक व ऑटो चालक की मदद से उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। महिला का कोई पहचान पत्र नहीं था इसलिए वह डर गया और छोड़कर भाग गया।

चेतन ने बताया कि महिला का नाम सोनी (30) था और वह मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी। तीन साल पहले वह ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर उससे मिली थी।

भोपाल। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को डेंगू निरोधक माह के उपलक्ष्य में नगर निगम के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम के समस्त जोन, एएचओ एवं मलेरिया के सुपरवाइजर उपस्थित रहे। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण द्वारा चिन्हित क्षेत्र मे सयुक्त अभियान चलाने पर विशेष प्रकाश डाला गया। जल भराव वाले स्थान स्थानों पर आयल बॉल का उपयोग किया जाना है इस अभियान के रूप मे जुलाई माह से शुरू करना है। बारिश के मौसम मे माइक्रो प्लान बनाकर समन्वय से कार्य करना है। अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान द्वारा बचाव एवं प्रतिबंधत्मक कार्यवाही की जाए।

अनधिकृत वेंडिंग एवं ओवर चार्जिंग पर वाणिज्य विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई

बीना, भोपाल और इटारसी से 32 वेंडर पकड़े गए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल मंडल में यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण, स्वच्छ एवं किफायती खानपान सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 09 जुलाई 2025 से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया है, जिसमें रेलवे स्टेशन परिसरों एवं ट्रेनों में अनुशासनहीन, अनधिकृत एवं अव्यवस्थित खानपान गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अभियान के अंतर्गत वाणिज्य विभाग की टीम

द्वारा स्टेशनों पर औचक निरीक्षण कर विभिन्न बिंदुओं पर सख्त कार्रवाई की गई। इनमें बिना अनुबंध स्टेशन परिसर में मौजूद अनधिकृत वेंडरों की पहचान, अनुबंधित स्टालों द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य वसूली, जनता खाना की अनुपलब्धता, स्टाल की निर्धारित सीमा से आगे फैलाव कर यात्रियों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करना, अनधिकृत गतिविधियां, स्टेशन के बाहरी क्षेत्र में अवैध वेंडिंग, ट्रेनों में पैंट्री कार की निगरानी तथा बिना यूनिफॉर्म या आईडी कार्ड के गंदे कपड़ों में कार्यरत वेंडरों की पहचान शामिल है।

भोपाल मंडल के वाणिय विभाग द्वारा मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर खानपान सेवाओं में अनियमितताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। बिना, भोपाल, इटारसी, विदिशा एवं हरदा स्टेशनों पर अनधिकृत विक्रेताओं, बिना वर्दी या पहचान पत्र के कार्यरत वेंडरों, अधिक मूल्य वसूली एवं गंदगी की शिकायतों पर कुल 69 मामलों में ?24,980/- का जुर्माना वसूला गया। इस व्यापक निरीक्षण के दौरान अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर इटारसी स्टेशन पर तीन और भोपाल स्टेशन पर एक खानपान स्टाल को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बेबी केयर टेकर को शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

भोपाल। मिसरोद इलाके में बेबी केयर टेकर को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने अपने भाई के ऑफिस में उसे अपनी हवस का शिकार बनाया इसके बाद वह लगातार उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। बीते दिनो जब पीड़िता ने उस पर शादी का दबाव बनाया तब आरोपी ने उसके साथ शादी करने से इंकार कर दिया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। थाना पुलिस के अनुसार राजधानी में रहने वाली 24 वर्षीय महिला ने अपनी शिकायत में बताया की वह बेबी केयर टेकर का काम करती है। उसकी पूर्व में शादी हो चुकी है, पति उसके साथ मारपीट करता था, तंग आकर वह पति से दूर रहने लगी। अक्टूबर 2024 में काम के दौरान उसकी पहचान जाटखेड़ी में रहने वाले आकाश गागले से हुई थी। वह टाइल्स की दुकान पर काम करता है। उसने महिला से नजदीकियां बढ़ाते हुए उसे शादी करने का झांसा दिया। पीड़ता ने जब अपनी सहमति दे दी इसके बाद नवंबर 2024 में वह उसे घुमाने के बहाने मिसरोद स्थित अपने भाई के ऑफिस ले गया। वहां आरोपी ने जल्द शादी करने का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बना डाले। इसके बाद आरोपी लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। कुछ दिन पहले जब पीड़िता ने उस पर शादी का दबाव बनाया तब उसने शादी करने से इंकार करते हुए उससे दुरियां बना ली। काफी कोशिश के बाद भी जब आरोपी उसके साथ शादी करने से इंकार करता रहा तब मामला थाने जा पहुंचा।

बिल्डर ने बंधक रखे प्लॉट को ठेकेदार को बेच लगाई 18 लाख की चपत

भोपाल। बजरिया इलाके में बिल्डर ने शासन के पास बंधक रखे प्लॉट को बेचकर एक ठेकेदार को 18 लाख रुपए की चपत लगा दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी बिल्डर के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक चांदबढ़ में रहने वाले 50 चेत नारायण सिंह ठेकेदारी करते हैं। उन्होंने 2021 में कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाने वाले बिल्डर विवेक सिंह और उनके पार्टनर नरेंद्र विश्वकर्मा को 18 लाख रुपए दिए थे, लेकिन वह रकम लौटाने को तैयार नहीं थे। इसी बीच दोनों पक्षों के बीच तय हुआ कि वह कॉसमॉस सिटी बोरदा में प्लॉट दे देंगे इसके बाद दोनों पक्षों की सहमति से अनुबंध हो गया और छह महीने में रजिस्ट्री कराने की बात तय हो गई थी। बाद में पता चला कि वह प्लॉट ग्राम पंचायत के पास बंधक रखे हुए हैं। इसकी जानकारी लगने पर जब फरियादी ने आरोपियों से संपर्क किया तो वह टालमटोल करने लगे। बाद में उन्होंने रकम लौटाने से इंकार कर दिया साथ ही उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया। आखिरकार परेशान होकर फरियादी ने थाना पुलिस से लिखित शिकायत कर दी। जांच के बाद पुलिस ने दोनों आरोपी बिल्डरों पर मामला दर्ज कर लिया है।

वेल्डिंग करने के दौरान युवक की करंट लगने से मौत

भोपाल। कोटरा सुल्तानाबाद इलाके में पीडब्ल्यूडी के गोदाम में गेट की वेल्डिंग करने के दौरान एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। बताया गया है की गोदाम का गेट तोड़कर चोरों ने कबाड़ा चोरी कर लिया था, उसी कर रिपेयरिंग का काम चल रहा था। पुलिस के अनुसार दशमेश नगर अशोका गार्डन में रहने वाला अरबाज खान पुत्र रईस खान (22) वेल्डिंग का काम करता था। शनिवार शाम वह अपने साथी योगेश के साथ वेल्डिंग करने कोटरा सुल्तानाबाद पीडब्ल्यूडी के गोदाम वेल्डिंग करने गया था। अरबाज का छोटा भाई अयान भी उनके साथ था। पुलिस ने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने गोदाम के पीछे का लोहे की जाली वाला गेट तोडकर कबाड़ा चोरी किया था।

विधानसभा मानसून सत्र में होगी सियासी तकरार

पीसी बोले- घोटालों पर सरकार से मांगेंगे जबाव, सबनानी ने कहा-तरक्की में कांग्रेस ही बाधा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में आज जमकर सियासी तकरार होगी। विधानसभा में विपक्ष भर्ती परीक्षा गड़बड़ियों के मामलों को मुद्दा बनाएगा। मामले को लेकर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा का बड़ा बयान सामने आया है। कहा- विधानसभा में सरकार को हमारे सवालों का जवाब देना होगा। सरकार नहीं प्रदेश में बड़ा खेल चल रहा। वहीं कांग्रेस के आरोपों पर बीजेपी ने पलटवार किया है।

सदन में गूंजेगा भर्ती में गड़बड़ी का मामला: भर्ती परीक्षाओं में घोटाले हो रहे। घोटालों को लेकर सरकार से पूरी ताकत के साथ सवाल पूछेंगे। पटवारी से लेकर शिक्षकों की भर्ती हो या नर्सिंग घोटाला, आरक्षक भर्ती से लेकर इंस्पेक्टर भर्ती में घोटाला। प्रदेश को लूटने पर सरकार आमादा है। आरक्षण से लेकर व्यापमं से जो घोटाला शुरू हुआ है। नर्सिंग व व्यापमं घोटाला हो इंस्पेक्टर की भर्ती के मामले को पूरी जोर-जोर से उठाएंगे। प्रमोशन में रिजर्वेशन मामले को लेकर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा- सरकार नहीं चाहती प्रमोशन में आरक्षण मिले। मामले में देरी सरकार की साजिश है।

सरकार बताए विदेश यात्रा में कितना निवेश आया

सरकार कहती कुछ और करती कुछ और है। सीएम डॉ मोहनन यादव के विदेश यात्रा को लेकर भी निशाना साधा है। कहा- विदेश यात्रा करें लेकिन बताएं कितना हुआ खर्च और कितना निवेश आया है। सीएम दुबई से स्पेन जाएंगे। निवेश के नाम पर यात्रा हो रही है। यात्राओं से कांग्रेस को दिक्कत नहीं है। सरकार बताए कितना हुआ खर्च और कितना आया निवेश। विधानसभा में सरकार रिपोर्ट पेश करें।

कांग्रेस के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार: मामले को लेकर बीजेपी विधायक भगवान दास सबनानी का बयान सामने आया है। सबानानी ने कहा- कमलनाथ सरकार ने मामले को बिगड़ा है। बीजेपी सरकार मामले पर पूरी ताकत से लगी है। सरकार चाहती है कि आरक्षित वर्ग को लाभ मिले। कांग्रेस ने कभी काम अच्छे नहीं किए। न्यायालय का निर्णय स्वीकार्य होगा। हरदा मामले पर कहा- कांग्रेस जाति, वर्ग संघर्ष की राजनीति करती है। मध्यप्रदेश शांति का टापू है, घटना दुर्घटना हुई है, कानून के हिसाब से कार्रवाई भी कर रहे हैं।

कांग्रेस में योग्यता नहीं चाटुकारिता पर विचार

कांग्रेस और दिग्विजय सिंह आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। भाइयों के बीच का विवाद है, निराकरण भी होगा, इस पर राजनीति नहीं करना चाहिए। बीजेपी विधायक सबनानी ने कहा- कांग्रेस की दशा नेता आधारित है, समूह, गुट और खेमें में बंटी है। कांग्रेस में कोटा सिस्टम चलता है। वहां योग्यता नहीं चाटुकारिता पर विचार होता है। जिनके पास न नीति हो, न नियत हो, वो क्या निष्पक्षता की बात करेंगे।

प्रदेश की तरक्की में कांग्रेस बाधित

प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं है। तरक्की से कांग्रेस को दिक्कत क्यों। सीएम डॉ यादव लगातार निवेश के लिए काम कर रहे है। प्रदेश, देश समेत विदेश में भी निवेश के लिए पहल कर रहे है। हर संभावनाओं पर मंथन हो रहा है। अपार सफलता भी मिल रही। कांग्रेस प्रदेश की तरक्की में हमेशा बाधा साबित हुई है।

भगवान श्रीमहाकाल मनमहेश स्वरूप में निकले उज्जैन नगर भ्रमण पर

कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर किया बाबा श्रीमहाकाल का स्वागत

भोपाल ■ अमृत दर्शन

श्रावण माह के प्रथम सोमवार पर भगवान श्रीमहाकालेश्वर मनमहेश स्वरूप में उज्जैन नगर भ्रमण पर निकले। सवारी के निकलने के पूर्व श्रीमहाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर का षोड़षोपचार पूजन-अर्चन और आरती की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जनजातीय दल भगवान श्रीमहाकालेश्वर की प्रथम सवारी में पालकी के आगे मनमोहक प्रस्तुति देते हुए शामिल हुए। सावन-भादो मास की प्रथम सवारी में वैदिक उदघोष के साथ श्री महाकालेश्वर भगवान का स्वागत किया गया। सवारी में 5 लाख से ज्यादा भक्तगण शामिल हुए।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार और उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन कर आरती की। इस अवसर पर विधायक श्री सतीश मालवीय, श्री महेश परमार, श्री जीतेंद्र पंड्या, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, संभागायुक्त श्री

संजय गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने सभामंडप में भगवान श्री मनमहेश का पूजन किया।

अवंतिकानाथ भगवान श्रीमनमहेश के स्वरूप में पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्रीमहाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने पालकी में विराजित भगवान श्रीमनमहेश को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी। सवारी मार्ग के दोनों ओर हजारों की संख्या में दर्शनार्थियों ने पालकी में विराजित श्री मनमहेश भगवान के भक्तिभाव से दर्शन लाभ लिये। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी होते हुए रामघाट पहुंची। भगवान श्री महाकालेश्वर श्री मनमहेश के स्वरुप में अपने भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए माँ क्षिप्रा के तट पर पहुँचे।

बिजली की मांग की पूर्ति होगी न्यूक्लियर पॉवर प्रोजेक्ट से

मप्र में बनेंगे चार परमाणु बिजली संयंत्र

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के साथ-साथ देश की ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही मप्र के चार जिलों में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने जा रही है. ये चार जिले हैं- नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी। इसके लिए कुछ जगहों पर तो बकायदा सर्वे भी पूरा कर लिया गया है। ये संभवत- पहली बार होगा कि राज्य में बिजली उत्पादन के लिए इतने बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। दरअसल, प्रदेश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अब न्यूक्लियर पॉवर प्रोजेक्ट से बिजली की मांग की पूर्ति की जाएगी।

गौरतलब है कि मप्र में बिजली उत्पादन के लिए सरकार विभिन्न स्रोतों का उपयोग कर रही है। अब प्रदेश की बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए सोलर के अलावा चार शहरों में न्यूक्लियर पॉवर प्रोजेक्ट लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में एनटीपीसी द्वारा ये प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए

जहां एनटीपीसी सक्रिय हो चुकी है, वहीं राज्य शासन ने परमाणु परियोजनाओं की स्थापना में सहयोग के लिए समिति का गठन पहले ही कर दिया है। समिति भूमि अधिग्रहण और जमीन खरीदने, जल उपलब्धता व आवंटन के लिए समन्वय का काम देख रही है।

सौर एवं पवन ऊर्जा से बन रही बिजली: प्रदेश में बिजली की डिमांड लगातार बढ़ रही है। बढ़ती डिमांड के मुताबिक ऊर्जा उत्पादन में भी इजाफा हो रहा है। प्रदेश सरकार का फोकस इस समय सौर ऊर्जा को लेकर है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश की बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2034-35 तक 29956 मेगावाट सौर और 5293 मेगावाट पवन ऊर्जा की जरूरत होगी।

बिजली की डिमांड 19 हजार मेगावॉट तक पहुंची

मप्र में बिजली की डिमांड लगातार बढ़ रही है। प्रदेश पिछले दिसंबर तक बिजली की डिमांड 19 हजार मेगावॉट तक पहुंच चुकी है। इस साल के अंत तक यह डिमांड 20 हजार मेगावॉट को पार कर सकती है। अगले कुछ सालों में ही डिमांड 25 हजार मेगावॉट को पार कर जाएगी। इसको देखते हुए राज्य सरकार बिजली की उपलब्धता बढ़ा रही है। पिछले पांच साल में उत्पादन में 2344 मेगावॉट का इजाफा हुआ है। इस अवधि में डिमांड 14089 से बढ़कर 17170 मेगावॉट तक पहुंच गई। यानी पिछले पांच साल में डिमांड 3081 मेगावॉट तक बढ़ गई। यह डिमांड अब 19 हजार मेगावॉट तक पहुंचने के आसार है। इसको देखते हुए अब बिजली की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। इन चार परमाणु परियोजानाओं से 1200 मेगावॉट की दो यूनिट के साथ 6 यूनिट तक प्रस्तावित हैं।

पंकज मिश्रा को पीएचडी की उपाधि

भोपाल। सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा पंकज मिश्रा को उनके शोध कार्य

जनसामान्य में कानून संबंधी खबरों के प्रति रूचि एवं जागरुकता के प्रसार में समाचार पत्रों की भूमिका (भोपाल के समाचार पत्रों के संदर्भ में) विषय पर उत्कृष्ठ अनुसंधान कार्य के लिए पीएचडी की उपधि प्रदान की है। गौरतलब है कि पंकज मिश्रा ने अपना शोध कार्य मीडिया विशेषज्ञ, वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में सफलतापूर्व पूर्ण किया। पंकज मिश्रा लोक सेवा प्रबंधन में मैनेजर (प्रशासन) एवं विधि विषय के जानकार हैं। मिश्रा पब्लिक रिलेशंस सोसासटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) भोपाल के सचिव एवं नेशनल काउंसिल के सदस्य हैं।

सुप्रिया पाठक ने राजनीति विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सुप्रिया पाठक ने राजनीति विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुप्रिया को यह उपाधि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश के साहरिया जनजाति में राजनीतिक एवं प्रशासनिक जागरूकता- चंबल संभाग के विशेष संदर्भ में विषय पर शोध कार्य के लिए प्रदान की गई है।

सुप्रिया के माता पिता राधावल्लभ पाठक एवम सभी परिवार वालों ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण है।सुप्रिया का जन्म ग्राम उटीला जिला ग्वालियर में हुआ और वे बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा में निरंतर उत्कृष्ट

प्रदर्शन करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। वर्तमान में डॉ. सुप्रिया पाठक उत्तराखंड सरकार के योजना विभाग में परियोजना सहायक के पद पर कार्यरत हैं और सचिवालय देहरादून में पदस्थ हैं।उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और समर्पण का परिणाम है, बल्कि यह उन सभी बेटियों के लिए प्रेरणा है जो ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च शिक्षा की ऊँचाइयों को छूने का सपना देखती हैं।

समय की मांग अनुसार नवीन कोर्स करें संचालित, दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा कर दिए निर्देश

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के सुदृढ़ीकरण से विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को मिलेगी गति : शुक्ल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज विंध्य क्षेत्र का एक प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थान है, जिसकी सुदृढ़ता न केवल क्षेत्रीय तकनीकी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगी। उन्होंने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के तकनीकी सशक्तिकरण से आने वाले समय में विंध्य अंचल उच्च शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह संस्थान स्थानीय युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने के साथ-साथ प्रदेश की तकनीकी

क्षमताओं को भी विस्तार देगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा विवेक पोरवाल एवं रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षण गुणवत्ता के लिए योग्य शिक्षकों की भर्ती अहम है। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान पाठ्यक्रम के विधिवत संचालन के लिए स्वीकृत पदों की पूर्ति के साथ नवीन पाठ्यक्रम के लिए विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार उत्कृष्ट शिक्षण संकाय होता है। सभी विभागों में योग्य, अनुभवी एवं नवाचारोन्मुख फैकल्टी की शीघ्र भर्ती की जाए ताकि छात्रों को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा मिल सके। इसके लिए रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को विभाग आवश्यक सहयोग प्रदान करे। समय की मांग अनुसार नवीन कोर्स का संचालन करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित योजनाओं को शीघ्र अनुमोदन की प्रक्रिया में लाया जाए।

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कॉलेज की 5 वर्षीय एवं 20 वर्षीय सुदृढ़ीकरण योजना प्रस्तुत की। उन्होंने 88.30 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, अधोसंरचना विकास और अन्य सुविधाओं के विस्तार का रोडमैप प्रस्तुत किया। प्रस्तावित योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिकल व्हीकल टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन एवं फायर टेक एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग जैसे समसामयिक विषयों में 5 नवीन यूजी प्रोग्राम तथा साइबर सिक्योरिटी, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, डिजिटल कम्युनिकेशन, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन डिजाइन, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, एडवांस प्रोडक्शन सिस्टम सहित 9 पीजी प्रोग्राम प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव शामिल है।

पत्नि ने शराब के लिये पैसे नहीं दिये तो पति ने लगा ली फांसी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शहर के शाहपुरा थाना इलाके में 55 साल के अधेड़ ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना रविवार की रात 11-30 बजे की है। बताया गया है कि खुदकुशी से पहले अधेड़ ने पत्ने से शराब पीने के लिए पैसै मांगे थे। पत्नि ने रकम देने से इंकार किया जिसे लेकर उसका पत्नि से विवाद हुआ था। इससे नाराज होकर झुग्गी के दूसरे कमरे में पत्नी की साड़ी का फंदा बनाकर जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि पूनमचंद्र पुत्र नत्थू (55) सरस्वती नगर में रहता था। पूर्व में मजदूरी किया करता था। बीते एक साल से कोई काम नहीं करता था। परिवार का खर्च उसके दोनों बेटे उठाया करते थे। पूनमचंद्र को शराब पीने की लत थी। पत्नी ने पुलिस को बताया कि रविवार रात करीब नौ बजे पति ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। उसने समझाइश देते हुए पैसे देने से मना करते हुए सोने को कहा। इस पर पति गुस्सा होकर हंगामा करने लगे। इसे लेकर दोनों के बीच बहस हुई और पत्नि ने पैसा देने से साफ मना कर दिया। शराब पीने के लिए पत्नी द्वारा पैसा देने से मना करने पर गुस्से में आकर पूनमचंद्र दूसरे कमरे में चला गया। जब काफी देर तक वह कमरे से नहीं निकला तब पत्नी-बेटों ने उसे आवाजें दीं। दरवाजा भीतर से बंद था, किसी तरह से गेट को खोलकर देखा तो पूनमचंद्र का शरीर फंदे पर लटका नजर अया। परिवार वाले उसे उतारकर फौरन ही जेपी अस्पताल लेकर पहुचें जहां डॉक्टरों ने शुरुअती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

अनमोल वचन

प्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।
प्रेमचंद

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

अमेरिकी कंपनी ने वायदा कारोबार में भारतीय निवेशकों से 2 लाख करोड़ ठगे

अमेरिका की कंपनी जेन स्ट्रीट हाई फ्रीक्केंसी ट्रेडिंग फर्म है। इसने पिछले 4 सालों में भारत के वायदा कारोबार में ट्रेडिंग के नियमों का उल्लंघन कर लाखों करोड़ रुपए की लूट भारत से की है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेवी) आंख बंद करके बैठी रही। भारत के वायदा कारोबार से जुड़े 91 फ़ीसदी निवेशकों को पिछले 4 सालों से यह कंपनी लूट रही थी। अभी तक जो जानकारी प्राप्त हुई है। उसके अनुसार 2 लाख करोड रुपए से ज्यादा की लूट इसने पिछले वर्षों में की है। इसके पहले के आंकड़ों को अभी तक सेवी ने उजागर नहीं किया है। जब इस मामले की कलई खुली, सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों पर कार्यवाही करते हुए 4843.57 करोड रुपए जप्त करने के आदेश दिए हैं। इस कंपनी ने पिछले दो वर्ष जिसमें वर्ष 2024 में लगभग 50000 करोड रुपए 2025 में 74812 करोड रुपए का घोटाला किया है। कंपनी ने निफ्टी के 50 इंडेक्स वाले शेयरों में हाई फ्रीक्केंसी ट्रेडिंग वाले सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए, पिछले 4 वर्षों से धोखाधड़ी की जा रही है। कंपनी सुबह के समय भारी मात्रा में वायदा कारोबार के शेयर और फ्यूचर्स में कारोबार करती थी। वायदा कारोबार में इन कंपनियों की खरीदी के कारण जब तेजी आ जाती थी। तो खरीदे हुए शेयर कुछ ही सेंकड़ों में बेचकर भारी मुनाफा कमाकर अमेरिका ले जाती थी। इसकी जानकारी देने वाले विहसिल ब्लोअर मयंक बंसल का दावा है। जेन स्ट्रीट ने जनवरी 2023 से मार्च 2025 तक 36502 करोड रुपए का अवैध मुनाफा कमाया है। इसकी सहयोगी कंपनियों के आंकड़े को भी सामने लाया जाए तो पिछले 4 वर्षों में वायदा कारोबार में जो 91 फ़ीसदी छोटे भारतीय निवेशक थे। उन्हें लाखों करोड़ों रुपए का घाटा हुआ है। अमेरिका की कंपनी ने वायदा कारोबार में इंडेक्स की 50 कंपनियों में शॉर्ट ऑप्शन का इस्तेमाल करते हुए भारी मुनाफा कमाया है। भारतीय शेयर बाजार से कमाए गए मुनाफे को कंपनी अमेरिका ले गई है। भारतीय शेयर बाजार का पैसा सिंगापुर और अमेरिका में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से ट्रांसफर किया गया है। वायदा कारोबार के भारतीय 91 फ़ीसदी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। वायदा कारोबार के 50 इंडेक्स वाली सूची के शेयरों में निवेश करने वाले धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। 3 जुलाई 2025 को सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के कारोबार पर प्रतिबंध लगाया है। सेबी ने 4843.57 करोड रुपए जप्त करने के आदेश दिए हैं। इस कंपनी ने लाखों करोड़ रुपए की लूट भारतीय शेयर बाजार से अवैध तरीके से की है। सेबी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को पल-पल की खबर होती है। शिकायत करने के बाद भी दोनों नियामक संस्थाओं ने कोई कार्यवाही कंपनी पर नहीं की। 4 साल से यह गोरख धंधा चलता रहा, अब जाकर कार्रवाई की गई है। अमेरिका की कंपनी अमेरिका में मामला दर्ज कराने की बात कर रही है। भारतीय शेयर बाजार, विदेशी कंपनियों को मुनाफा देने वाला सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयर बाजार सोने के अंडे देने वाला बाजार है। भारत की वित्तीय संस्थाओं द्वारा पिछले एक दशक में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों में भारी निवेश किया है। म्युचुअल फंड के जरिये करोड़ों भारतीय छोटे निवेशकों ने शेयर बाजार में निवेश किया है। पिछले 10 साल से विदेशी निवेशकों के लिये मुनाफा वसूली का सबसे बड़ा बाजार भारत का शेयर बाजार है। दुनिया के किसी भी शेयर बाजार में इस तरह की तेजी देखने को नहीं मिली, जो भारतीय शेयर बाजारों में देखने को मिली। निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सेबी की होती है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को भी इस तरह के लेनदेन पर निगाह रखनी थी। समय रहते कार्रवाई करनी थी। तीनों आंख बंद करके बैठे रहे। रही-सही कसर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईड़ी) ने पूरी की है। जब भारत से अरबों रुपए की राशि हर महीने विदेश जा रही थी। शेयर बाजार के जरिए काले धन को विदेशों से भारत के शेयर बाजार में निवेश किया लाया जा रहा था। यहां से मुनाफा बसूली करके धन वापस ले जाया जा रहा था। इस मामले की कई शिकायतें पिछले वर्षों में हुई हैं। किसी भी संस्था ने जांच करने की जहमत नहीं उठाई। जिसके कारण हर साल भारतीय शेयर बाजार के जरिए लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले हुए हैं। वायदा कारोबार का यह एक मामला है। जब धोखाधड़ी और घोटाले के मामले खुलकर सामने आएंगे। प्याज की तरह परत दर परत लाखों करोड़ों रुपए के नए-नए घोटाले सामने आते चले जाएंगे। पिछले एक दशक में जिस तरह से सेबी और ईडी में अधिकारियों की नियुक्ति हो रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी विपक्षियों के ऊपर कारवाई करने में लगे हैं। जो काम नियामक संस्थाओं और जांच एजेंसी को करना चाहिए था, उसमें जानबूझकर लापरवाही की गई है? जिसके कारण भारतीय निवेशक शेयर बाजार में लूटते रहे। भारतीय धन विदेशों में जाता रहा। सभी नियामक एजेसियां हाथ पैर हाथ रखकर तमाशा देखते रह गए। यही कहा जा सकता है। अभी भी समय है। भारतीय धन को धोखाधड़ी के जरिए विदेशों में जाने से रोकने के लिये सरकार को तुरन्त कार्रवाई करना चाहिए। अन्यथा आने वाला समय भारत के अर्थतंत्र के लिए बहुत खराब होगा है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

कौशलता विकास एक संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र है

आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशलता दिवस मना रहे हैं, इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण रखा गया है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2025-एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण कौशलता विकास,सामाजिक आर्थिक सुधारों बढ़ती असमानता बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा गोंदिया - सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है।बस! ज़रूरत है उसे पहचान कर निखारने की,जिसके बलपर सफ़लताओं की हदें पार की जा सकती है! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है, जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशलता दिवस मना रहे हैं, इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण रखा गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की करें तो, सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयास है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं।युवा महिलाओं औरलड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है, इसके अलावा, संकट ने काम की दुनियाँ में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जिससे हम कौशलता से ऐसा दक्ष हो जाते है कि हम नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन जाते है। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां,जैसे कि यूनेस्को- यूएनईवीओसी, काम की दुनियाँ में पहुंची बाधाओं को कम

करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है।हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण बहुत ही जोर शोर से करता है

साथियों बात अगर हम विश्व कौशलता दिवस 15 जुलाई 2025 के बारे में जानने की करें तो, थीम-2025 के लिए, विश्व युवा कौशल दिवस की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण है। महत्व-यह दिन युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) को बढ़ावा देने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में प्रासंगिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है।आयोजन-इस दिन, विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संवाद आयोजित किए जाते हैं, जिनमें युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के बारे में जानकारी दी जाती है।भागीदारी-शिक्षक, अभिभावक, मार्गदर्शक,प्रशिक्षण प्रदाता और अन्य सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि युवा आवश्यक कौशल प्राप्त करें। दिनांक 12 जुलाई 2025 को देर शाम माननीय उपराष्ट्रपति ने एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कौशल का विकास के बारे में कहा भारतीय संविधान में 22 दृश्य चित्रणों में एक गुरुकुल की भी छवि है। हम हमेशा से ज्ञान के दान में विश्वास करते रहे हैं। कोचिंग सेंटरों को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में बदलने के लिए करना चाहिए। मैं सिविल सोसाइटी और मेरे सामने और बाहर मौजूद जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस बीमारी की गंभीरता को समझें। उन्हें शिक्षा में विवेकशीलता बहाल करने के लिए एकजुट होना होगा। हमें कौशल के लिए प्रबल प्रशिक्षण की सख़्त आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलेपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई)- वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाइ)- 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना-यह भारत के युवाओं को 400 सेअधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिए 2021 की शुरुआत की गई है। पूर्व सीखने की मान्यता- इसे 2015 में व्यक्तियों द्वारा अर्जित पूर्व स्किल्स को पहचानने के लिए लॉन्च किया गया था। यह पीएमके वीवाई के प्रमुख घटकों में से एक है। इसके तहत एक निश्चित स्किल्स वाले या पूर्व सीखने के अनुभव वाले व्यक्तिको राष्ट्रीय स्किल्स योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार ग्रेड के साथ आरपीएल के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाता है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना- इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2015 में शुरू की गई ।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट)- यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है।आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प)- इसका ध्यान अभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला-स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है।

राजनीति में पढ़ाई का महत्व है

यह हमें चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में देखने को मिला जहाँ छात्र शिक्षक को पैर छूते नजर आए यही हमारी संस्कृति है जो बड़ो का सम्मान करना और सही वक्तव्य देना उचित होता है जहाँ तक राजनीती का सवाल है अब उसमें भी पढ़े लिखें लोग शामिल हो रहें है जो पूर्व में आईएएस रहें हैं जैसे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव प्रताप रूड़ी, केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेन्द्र सिंह और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और शशि थरूर जैसे कई अनुभवी नेता हैं देश को चलाने के लिए मंत्रालय होता है।

संजय गोस्वामी

पढ़ाई किसी भी क्षेत्र में केवल शिक्षा ग्रहण नहीं करना है बल्कि हमें शिक्षक से गुणवान बनाता है जो जीवन में जरुरी है खासकर आज के तकनिकी युग में हालांकि चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है इसमें लागू नहीं होता है लेकिन यदि पढ़ा लिखा होगा तो भविष्य में उसे अवश्य ही काम आएगा मैं एक सेमिनार में मुख्य अथिति के रूप में 2016 में सिवनी गया जहाँ सभी डॉ थे और हमें उनके व्यवहार से ऐ सिखने को मिला पीच्छी

आपके लिए काफी मायने रखती है हालांकि आर्ट और साइंस में करना उतना टफ नहीं है जितना इंजीनियरिंग में क्योंकि बीटेक ही एक टफ कोर्स है इंडिया में शिक्षा विदेशों से काफी बेहतर है जिसमें संस्कार को भी एक आदर्श के रूप में देखा जाता है यह हमें चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में देखने को मिला जहाँ छात्र शिक्षक को पैर छूते नजर आए यही हमारी संस्कृति है जो बड़ो का सम्मान करना और सही वक्तव्य देना उचित होता है जहाँ तक राजनीती का सवाल है अब उसमें भी पढ़े लिखें लोग शामिल हो रहें है जो पूर्व में आईएएस रहें हैं जैसे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव प्रताप रूड़ी, केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेन्द्र सिंह और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और शशि थरूर जैसे कई अनुभवी नेता हैं देश को चलाने के लिए मंत्रालय होता है और उसके लिए सरकार द्वारा चुनाव में जीते गए एमपी या राज्य सभा के सांसद होते हैं मंत्री पद भी उनकी योग्यता के अनुसार देने की कोशिश होती है जैसे स्वास्थ्य मंत्रालय में डॉ और न्याय मंत्रालय में एल एल बी होता है मंत्री के निचे 1या दो राज्य मंत्री होते हैं और उस मंत्रालय का सचिव जो आईएएस रैंक का या उस क्षेत्र से सम्बंधित उच्च संस्थान में निदेशक हो जैसे विज्ञान और प्रोधोगिकी मंत्रालय के सचिव प्रोफेसर अभय कराणदीकर जी है हैं जो आई आई टी, कानपुर के फॉर्मर डायरेक्टर थे इसी तरह अन्य विभाग में होता है उसे उस क्षेत्र की पूर्ण जानकारी होता है अत: वह विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करता है अभी हाल ही में अमेरिका में यूक्रेन को हथियार के मदद में राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश के बाद भी रक्षा सचिव ने वहाँ से बापस मंगा लिया क्योंकि ऑडिट करना कारण बताया गया अत: सरकार सचिव के मामलों में दखल नहीं देती है क्योंकि वो कैबिनेट से चुने जाते है अत: यदि मंत्री पढ़ा लिखा होगा तो उस क्षेत्र का सही ज्ञान होगा और विदेश में किसी भी समझौता में बहुत सोच समझ कर जबाव देगा हाल ही में भारत में रक्षा के क्षेत्र में उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह 4 जुलाई, 2025 को फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हम सिर्फ पाकिस्तान से नहीं बल्कि तीन फ्रंट पर लड़ाई कर रहें थे जिसमें पाकिस्तान के साथ तुर्की भी शामिल था इसमें सेना पर गर्व करना चाहिए कि सेना की ताकत और भविष्य में रक्षा कूटनीति की की नितांत आवश्यकता है और रूस से सम्बन्ध यदि ठीक नहीं है तो उसे सुधारने की जरुरत है इसलिए शायद सरकार ने शशि थरूर को रूस भेजा अमेरिका कभी मदद नहीं करेगा इसका पुराना इतिहास रहा है हालांकि इजराइल ने मदद की है जैसे अन्य स्त्रोत से मालूम हुआ है अत: भारत ने इसलिए ईरान और इजराइल के युद्ध में दुरी बना लीं अब विदेश नीति को सुधार करने की जरुरत है क्योंकि हम अभी भी रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है ऐ तो पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी का 1998 में अमेरिका को ताक में रख कर परमाणु परीक्षण किया जिसका हवाला ट्रम्प ने दिया कि भारत में सीजफायर इसलिए कराया ताकि परमाणु युद्ध ना हो जाये और जब पता लगा की पाकिस्तान का परमाणु बम किसी और देश अमेरिका के नियंत्रण में है तो प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम पर पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया कि परमाणु ब्लैक मेल नहीं चलेगी ऐसा भारत के इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम संदेश में दिया यदि हर किसी के कार्य के बारे में चर्चा करे इससे पहले अपने बारे में चर्चा से आज के हालत में पढ़ाई की कीमत को पहचाने आज तकनिकी युग है शुरू से हमलोगों का पेशा नौकरी करना नहीं रहा है लेकिन समय बदलते ही ऐ समझ गया आने वाला समय टेक्नोलॉजी का है इसलिए भाई को इंजीनियरिंग करने को प्रोत्साहित किया और इसप्रकार समाज में योग्यता के बल पर मान सम्मान मिला पहले हमारे बुजुर्ग लोग पूजा पाठ और लोगों की समस्या को हल करते थे कई अपने रिश्तेदार में समाधि भी लगाई है विंध्याचल से लेकर वृन्दावन में हमारे रिश्तेदार रहते हैं हमें रामायण की शिक्षा दादाजी से मिली और बाद में प्रभु राम के महत्व को जाना अत: नेगेटिव और पोजेटिव दोनों का होना जरुरी है पोजटिव पाना है तो नेगेटिविटी गतिविधियों को मन में आने ही ना दें अच्छा कर्म,मानवता ही पोजटिव का स्त्रोत है हमारे परिवार में आज भी लोग खुद पूजा पाठ करते हैं जो पोजटिव एनर्जी देती है अत: पढ़ना जरुरी है देश में पढ़े लिखें लोगों को ही वोट देना प्रदेश या देशहित में होता है क्योंकि इससे उसे अपने व्यवहार और समस्या को हल करने में सहूलियत होती है नीतीश कुमार जो वर्तमान में बिहार के सीएम हैं वो एन आईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री किए है इसलिए बिहार का विकास हुआ और खुद प्रशांत किशोर जन सूराज पार्टी के नेता तेजस्वी यादव जो महागठबंधन के लिए बिहार में अगले चुनाव में अपने मुख्यमंत्री की दावेदारी कर रहें हैं 9वीं फेल है यह मंच पर बताने की जरुरत नहीं थी बिहार के लोग खुद जानते हैं क्योंकि जब जेडीयू और आरजेडी के गठबंधन से 2015 में सरकार बनी थी तब गली गली में लोग कह रहें थे कि तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया जो 9 वीं फेल हैं।

आइजोल को आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की मिलेगी सौगात

विनोद कुमार सिंह

रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के अन्दर बैराबी, कुर्तिकी, कावंपुई, मुलखांग और सायरांग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था,लेकिन इसे असली रफ्तार स 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी। इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवें स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144,जो मूलखांग और सायरांग के बीच बना है। यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। मिजोरम भारत के तीन ईसाई बहुल राज्यों में से एक है, जहाँ 87% से अधिक आबादी ईसाई,बौद्ध धर्म (8.51%), हिंदू (2.75%) व इस्लाम (1.35%) भी मौजूद हैं। स्थानीय संस्कृति और खानपानयहाँ की मिजो संस्कृति को सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम की मिसाल माना जाता है। मिजोरम का मुख्य भोजन चावल मांस,मछली और सब्जियों के साथ खाया जाता है। यहाँ आप को जगह जगह बास के कोमल कोपल (स्पेदअंकुर), जंगली मशरूम और स्थानीय जड़ी-बूटियां यहां के व्यंजनों की खास पहचान है। यहाँ के निवासी की वेशभुषा,संस्कृति व उत्सव व जीवन शैली की विशेष पहचान है। आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की सौगात जल्दी ही मिलने जा रही है। बैराबी-सायरांग रेलवे प्रोजेक्ट अब पूरी तरह से तैयार है। रेलवे की 51.38 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के जरिए अब मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ दिया गया है। रेलवे की यह बन कर तैयार है। वह सु:खद पल जल्द ही मिजोरम के लोगों को यह क्षण का बर्षो से इंतजार था। रेलवे अधिकारी के अनुसार,ट्रेनें इस ट्रैक पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी व रेलवे का नेटवर्क आने वाले वर्षो में इस नेटवर्क को म्यांमार बॉर्डर जो यहाँ से लगभग 232 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। फिलहाल इस परियोजना का सर्वक्षण कार्य चल रही है। रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के भीतर बैराबी, कुर्तिकी, कावंपुई, मुलखांग और सायरांग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था, लेकिन इसे असली रफ्तार स 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी। इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवें स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144,जो मूलखांग और सायरांग के बीच बना है। यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। रेलवे के परियोजना के प्रमुख इंजीनियर विनोद कुमार के अनुसार, इस परियोजना में कुल 154 छोटे-बड़े पुल समेत 48 टनल का निर्माण ऐसी तकनीकों से डिजाइन किया गया है कि जिससे यह कम से कम 100 साल तक बिना किसी परेशानी और खराबी के चलाए जा सके। यह क्षेत्र अर्थक्केक जोन 5 में आता है, मगर आई आई टी कानपुर और आई आई टी गुवाहाटी की मदद से इस रेल लाइन को तकनीकी रूप से बेहद मजबूत और टिकाऊ बनाया गया है। आपके मन में मिजोरम व आइजोल के बारे में जिज्ञासा होगी। मै स्पष्ट कर दूँ कि आइज़ोल की स्थापना सन 1890 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। लुशाई पहाड़ियों में स्थानीय सरदारों को अंग्रेजों द्वारा पराजित करने के बाद, इसकी शुरुआत एक छोटी सैन्य चौकी के रूप में हुई थी तथा ईसाई मिशनरियों की स्थापना के साथ शाथ शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की शुरुआत हुई,कालान्तर इस शहर का विकास हुआ। सन 1960 के दशक में मिज़ो नेशनल फ्रंट के विद्रोह में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्षों की अशांति के बाद,सन1986 के मिज़ोरम शांति समझौते के साथ यहाँ शांति स्थापित हुई। मिजोरम की भौगोलिक वसांस्कृतिक,साथ यह स्थान सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुरवोत्तर का यह प्रदेश बांग्लादेश और म्यांमार से अर्न्तराष्ट्रीय सीमाएं से सटी हुई है।

खास बात

जेल नहीं अस्पताल जाएंगे, बापू आसाराम

उम्र कैद की सजा काट रहे बापू आसाराम इन दिनों पेरोल पर बाहर हैं। शुक्रवार को वह अहमदाबाद से लौटकर इंदौर आए हैं। इंदौर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उनकी जांच हुई है। 86 साल की उम्र में बापू का हार्ट कमजोर है। दिल की धमनियों में ब्लाकेज हैं। डॉक्टर ने उन्हें तनाव मुक्त रहने और खानपान सुधारने की सलाह दी है। उनकी एंजियोग्राफी पहले भी हो चुकी है। बापू की सांस फूल रही है। सीने में दर्द बना रहता है। ऐसी स्थिति में लगता है, बापू को अस्पताल में भर्ती करना पड़ेगा। बीमारी के कारण उनका पैरोल बढ़ना तय है।

नौकरी देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16वें रोजगार मेला का उद्घाटन किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 51000 युवाओं को जाब पत्र देकर सरकारी नौकरी में लगाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह 2 दिन पहले ही पांच देशों की यात्रा करके लौटे हैं। आते ही उन्होंने बेरोजगारों को नौकरी देने का काम किया है। 2022 से रोजगार मेले में ही प्रधानमंत्री युवाओं को नौकरी का पत्र दे रहे हैं। देश के सभी राज्यों के बेरोजगारों को नौकरी देने का काम प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कर रहे हैं। रोजगार मेले के जरिए जो नौकरी बंटती हैं। उसके लिए ना कोई परीक्षा होती है, रोजगार मेले के लिए नौकरी देने के लिए युवाओं का चयन कर लिया जाता है। प्रधानमंत्री के हाथों जाब लेटर का बंटवा दिया जाता है। जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि नौकरी देने वाले प्रधानमंत्री के रूप में बन गई है। पिछले 3 साल से प्रधानमंत्री नौकरी देने का काम कर रहे हैं। 9 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दे दी गई। लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर कोई सवाल नहीं पूछता है।

जज साहब पूछ रहे हैं, कहां है जले हुए नोट?

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। सांसदों ने हस्ताक्षर करना शुरू कर दिए हैं। जज साहब कह रहे हैं, यदि मेरे घर पर नोट मिले हैं, जले हैं, उसके बारे में कम से कम मुझे तो बता दिया जाए। कहीं रिपोर्ट दर्ज नही है, नाही जले और साबूत नोट किसी एजेंसी ने जप्त किए हैं। मुझे कोई सूचना किसी एजेंसी द्वारा नहीं दी गई। जज साहब के सवालों का जवाब नातो सरकार दे रही है, नाही कोई जांच एजेंसी दे रही है। जज साहब को अब पता लगा है। सरकार और जांच एजेंसी कैसे काम करती हैं। जब अपने ऊपर पड़ी तब उन्हें समझ आया।

कौन सच्चा कौन झूठा, अब इसकी बहस

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दावा किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को कोई भी नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने चुनौती दी है, नुकसान का कोई फोटो नहीं दे सकता है। क्योंकि कोई नुकसान नहीं हुआ है। चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान पहले ही नुकसान के बारे में बता चुके हैं। कैप्टन शिव कुमार ने जकार्ता में ऑपरेशन सिंदूर में हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी है। तीनों ही भारत सरकार के मुलाजिम है। तीनों ही उच्च पदों पर बैठे हुए हैं। अब इनमें कौन सच्चा,और कौन झूठा है। इसको लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। इस विवाद में सरकार की ही किरकिरी हो रही है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, पंचमी, मंगलवासरे, शतभिषा नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, कौलव करणे, मौना पंचमी, व्यापार तथा उग्रकर्म मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, अकाउंटेंट, लोकपाल तथा लेखापाल, प्रबंधक, मार्वेसर्टिंग मैनेजर, उत्तम कार्यकर्ता, प्रबंधकीय कार्य में निपुर्ण लेखक-कवि, पत्रकार होगा।

मेष राशि- हर्ष, लाभ, सुख, पदोन्नति के योग हैं, वायु विकार, दाम्पत्य जीवन सरल-सुखी रहेगा।

वृष राशि- वाहन सुख, विद्या कष्ट, राजभय, आर्थिक हानि, विशेष हानि तथा विरोध होगा।

मिथुन राशि- लाभ के योग बनेंगे, सुयश, कार्य सिद्धी, शत्रुभय, राज-काज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क राशि- कार्य सिद्धी, लाभ, धन व्यय, हर्ष, धार्मिक एवं शुभ कार्यों में सावधानी अवश्य रखें।

सिंह राशि- शत्रु भय, कलह, लाभ एवं सुयश की प्राप्ति, सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा मिलेगी।

कन्या राशि- थोड़ा लाभ, शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, प्रबलता के योग बनेंगे, विवाद होगा।

तुला राशि- हर्ष, पदोन्नति के योग, रुके कार्य प्रयास से बनेंगे, कार्यों में सुधार होगा ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- संतान सुख, यात्रा लाभ, शत्रु हानि, अच्छे कार्यों में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

धनु राशि- व्यर्थ चिन्ता से मन परेशान रहेगा, अचानक लाभ के योग बनेंगे, उद्योग-व्यापार में लाभ।

मकर राशि- सफलता प्राप्ति के योग बनेंगे, भय से मन उद्विघ्न रहेगा, मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि- सुख, यात्रा भय, यश प्राप्ति, मित्रों का सहयोग मिलेगा, लाभप्रद स्थिति से हर्ष होगा।

मीन राशि- इष्ट मित्रों सहायक रहेंगे, कार्यगति में अनुकूलता आयेगी, कार्य समय पर करें।

डॉ. पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

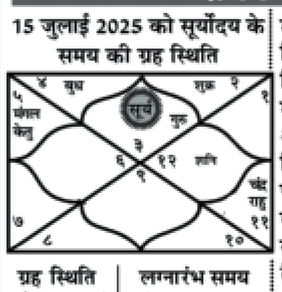

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.34 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.50 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.02 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.27 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.08 बजे से
राहुकाल		मेष	23.38 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.18 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.16 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 196 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 22.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 06.27 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 14.12 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.22 बजे तदनन्तर तैतिल 22.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872406
जूलियन दिन 2460871.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 19
विशेष मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

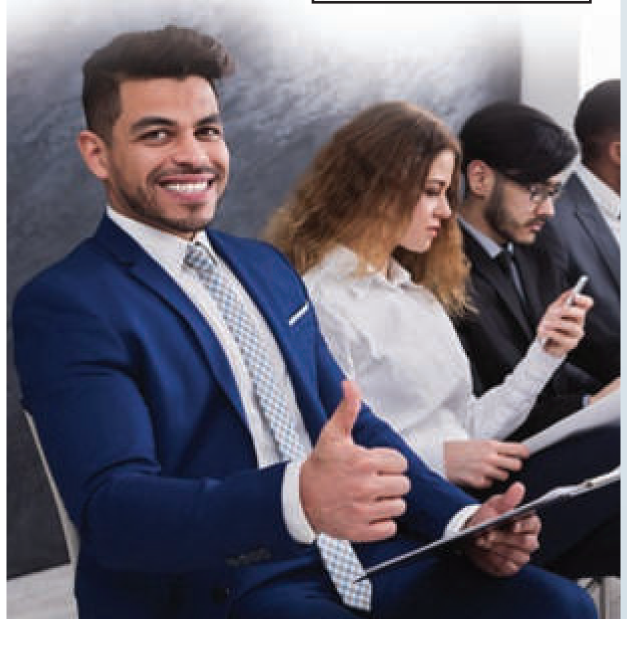

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत: आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

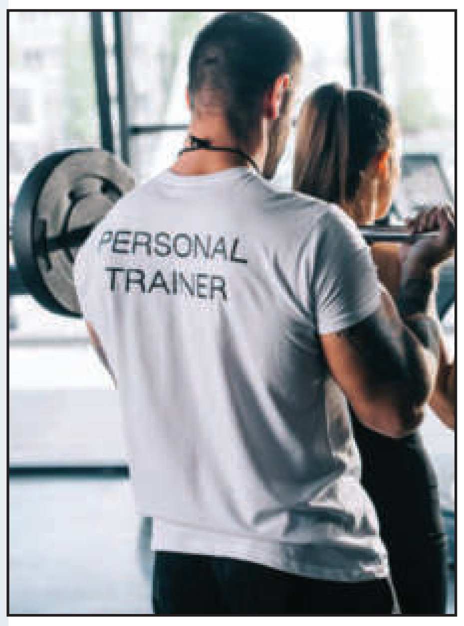

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

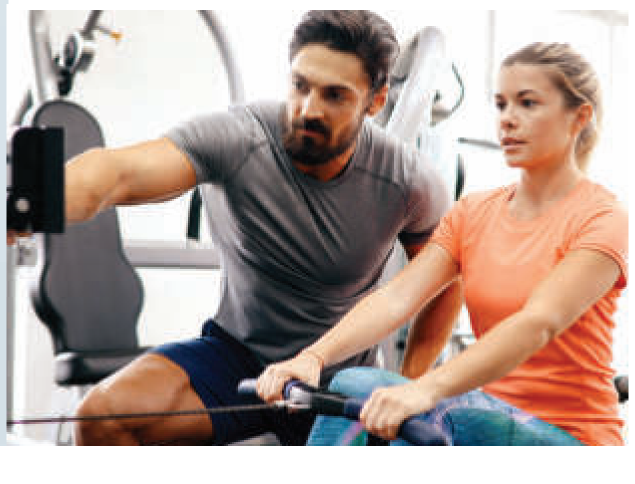

संक्षिप्त समाचार

सिनर ने अल्काराज को हराकर विंबलडन खिताब जीता

लंदन। इटली के शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर नये विम्बलडन टेनिस चैम्पियन बनकर उभरे हैं। सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अपना चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। सिनर का ये पहला विम्बलडन खिताब है। इस जीत के साथ ही सिनर ने अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे। इसमें फ्रैंच आपन की जीत भी शामिल है। सिनर ने इस बार फाइनल में कोई गलती नहीं की। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। अल्काराज सेंटर कोर्ट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक अंक का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड अंडर-19 टीम ने 239 रनों पर ही पांच विकेट खोये

लंदन। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने कपतान आयुष म्हात्र के शतक से यहां मेजबान इंग्लैंड अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट मैच में 540 रन बनाये हैं। जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड की अंडर-19 टीम रॉकी फ्लिंटॉफ के 93 रनों की सहायता से दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 5 विकेट पर 239 रन ही बना पायी। मेजबान टीम अभी इस मैच में भारतीय जूनियर टीम ने 310 रन पीछे हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय थॉमस रेव तीन रन पर खेल रहे थे। एकनाथ सिंह ने खाता नहीं खोला था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज जो के भतीजे जेडन डेनली के शुरुआत में ही आउट होने के बाद रॉकी और कप्तान हमजा शेख ने 84 रन बनाये। इस जोड़ी ने उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 154 रन बनाकर इंग्लैंड को दो विकेट पर 191 रन तक पहुंचाया।

रूट पर अंपायर रीफेल के फैसले से गावस्कर नाराज, ट्रॉट भी हैरान हुए

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर ने अंपयरिंग स्तर की आलोचना की है। बचे हैं। मैच में कमेंटरी कर रहे गावस्कर अंपायर पॉल रीफेल के जो रूट को नाट आउट देने पर भड़क गये। गावस्कर ही नहीं इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट भी अंपायर के फैसले से हैरान नजर आये। जब ये हुआ तक रूट 36 रन बनाकर खेल रहे थे। मोहम्मद सिराज की एक गेंद टप्पा खाने के बाद सीधे उनके पैड से टकराई। गेंद लाइन में पिच हुई थी और पैड से नहीं टकराती तो सीधे लेग स्टंप उड़ जाता।

धर्मशाला: कबड्डी विश्वकप खेल के अंतिम कोचिंग कैंप के लिए हुआ चयन

खेल सकती हैं हिमाचल की 5 से 6 बेटियां

धर्मशाला, निप्र। कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि इनमें से पांच से छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। ये सभी खिलाड़ी फाइनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगी और अपने खेल के दम पर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। पहले विश्व कप जुलाई में होना प्रस्तावित था। इस बीच कुछ कारणों से अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रतियोगिता अब 3 से 10 अगस्त तक हैदराबाद में होगी। इससे पूर्व एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी पांच खिलाड़ियों पुष्पा, ज्योति, भावना, साक्षी और रितु नेगी ने भारतीय टीम की ओर से स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण धर्मशाला की कबड्डी खिलाड़ी पूजा ठाकुर ने बताया कि

महिला कबड्डी विश्व कप के लिए आयोजित अंतिम कोचिंग कैंप में प्रदेश की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें से चार खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला में प्रशिक्षण ले रही हैं।

भारतीय टीम के कोचिंग कैंप के लिए जिन हिमाचली खिलाड़ियों का चयन किया गया है उनमें पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, रितु नेगी, चंपा, भावना और साक्षी शर्मा शामिल हैं। इनमें से चार खिलाड़ी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, चंपा और भावना धर्मशाला स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही हैं। रितु नेगी रेलवे की ओर से खेलती हैं जबकि साक्षी शर्मा हिमाचल से खेलती हैं।

ये जाएंगी कोचिंग कैंप में

पुष्पा
ज्योति
चंपा
साक्षी
रितु नेगी
भावना

सुंदर को भारतीय टीम के जीतने की उम्मीद

लॉर्ड्स, एजेंसी। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट टीम तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच को जीतने में सफल रहेगी। तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 4 विकेट पर 58 रन बनाये हैं और उसे अंतिम दिन जीत के लिए 135 रन और बनाने हैं। वहीं मेजबान इंग्लैंड टीम को इस जीत को यादगार बनाने केवल छह विकेट चाहिये। नासिर हुसैन और कुमार संगकारा से बात करते हुए सुंदर ने कहा, निश्चित रूप से भारतीय टीम पहले ही सत्र में ये मैच जीतेगी। जब उनसे पूछा गया कि मैच कब तक समाप्त हो जाएगा तो, सुंदर ने कहा, शायद लंच के बाद। उन्होंने कहा हमने चौथे दिन एक विकेट के नुकसान पर रन बनाये होते तो अच्छा होता। हमने जिस प्रकार से गेंदबाज की और जिस प्रकार से दबाव बनाए रखा, वह अद्भुत था। दूसरी पारी में सुंदर ने 12.1 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने लंच के बाद के सत्र में जो रूट को आउट कर अपना विकेट गंवाया और फिर जेमी स्मिथ को क्लीन बोल्ड किया।

फ्रांस में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस के नौवें चरण में जीत के बाद टिम मेरलियर उत्साहित होकर जश्न मनाते हुए।

मंडल के कॉलेजों को मिली खेल प्रतियोगिता कराने की मेजबानी

अगस्त से होंगी प्रतियोगिताएं, होंगे 40 खेल

अलीगढ़, एजेंसी। विवि के कुलसचिव वीके सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताएं अगस्त से शुरू हो रही हैं। अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी विश्वविद्यालय की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) से संबद्ध महाविद्यालयों में इस बार 40 खेलों का आयोजन होगा। मंडल के महाविद्यालयों को खेल प्रतियोगिता कराने की मेजबानी दी गई है। यूनिवर्सिटी परिसर में ताइक्कांडो, मल्लखंभ अंतर महाविद्यालयीय प्रतियगिताएं होंगी।

अमेरिकन फुटबॉल कराने की जिम्मेदारी केए कॉलेज कासगंज दी गई है। पीसी बागला कॉलेज हाथरस में आर्चरी, कराटे, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग (पुरुष), श्री लठूरी सिंह कॉलेज एटा में बॉक्सिंग, एसएसएसएस कॉलेज इगलास में बेसबॉल, पावर लिफ्टिंग, केए कॉलेज कासगंज में वुशू, ग्रैपलिंग, रग्बी, बेस्ट फिजिक प्रतियोगिताएं होंगी। आरजे

कॉलेज रायपुर अलीगढ़ में सर्किल स्टाइल कबड्डी, वीके जैन कासगंज में क्रॉस कंट्री रेस, तलवारबाजी, एसवी कॉलेज में क्वान कीडो शूटिंग, रस्साकशी, टेनिस सॉफ्टबॉल, चौ. जीवन सिंह कॉलेज टप्पल में कुश्ती प्रतियोगिताएं होंगी। विवेकानंद कॉलेज अलीगढ़ में भारोत्तोलन, योगा, एसके कॉलेज व टीआर कॉलेज में खो-खो, बॉस्केटबॉल, बैडमिंटन, डीएस कॉलेज में बास्केटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, सरस्वती डिग्री कॉलेज हाथरस में शतरंज, जेएलएन कॉलेज एटा में हैंडबॉल प्रतियोगिताएं होंगी। खुशीराम कॉलेज खैर में खो-खो, गुलाब सिंह कॉलेज सादाबाद में टेबल टेनिस, आरडी कॉलेज हाथरस में अंतर महाविद्यालयीय टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं होगी। विवि के कुलसचिव वीके सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताएं अगस्त से शुरू हो रही हैं। अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी विश्वविद्यालय की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह टीम अंतर विश्वविद्यालयीय खेल प्रतियोगिता में हिस्साा लेगी।

गोल्फ में अदिति 28वें स्थान पर रहीं

महिला शतरंज विश्व कप में दिव्या-हम्पी अंतिम-16 में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की जहां दो खिलाड़ियों ने अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी डी हरिका, वंतिका अग्रवाल और आर वैशाली भी अंतिम-16 में जगह बना सकती हैं, लेकिन यह सब टाईब्रेकर में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

महिला ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और ग्रैंडमास्टर बनने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने जॉर्जिया के बातुमी में जारी विपरीत अंदाज में फिडे महिला विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बनाई। दिव्या को अंतिम 16 में पहुंचने के लिए आधा अंक की जरूरत थी जो उन्होंने सर्बिया की टेओडोरा इंजाक के खिलाफ ड्रॉ खेल कर हासिल कर लिया लेकिन हम्पी को पोलैंड की कुलोन क्लॉडिया को हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। भारत की जहां दो खिलाड़ियों ने अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी डी हरिका, वंतिका अग्रवाल और आर वैशाली भी अंतिम-16 में जगह बना सकती हैं, लेकिन यह सब टाईब्रेकर में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

ग्रैंडमास्टर हरिका ने यूनान की त्सोलाकिडोउ स्टावरौला के साथ लगातार ड्रॉ खेलकर खुद को प्री-क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनाए रखा, जबकि वंतिका रूस की कैटरीना लागनो पर पहले दौर की जीत के बाद दूसरे दौर में हार गई जिससे स्कोर बराबर हो गया। इस प्रतियोगिता में विजेता को 50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिलेगी। इसके अलावा शीर्ष तीन में रहने वाली खिलाड़ी अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और दो ओवर 73 का स्कोर बनाकर फ्रांस के ऐक्स-लेस-बेन्स में खेले गए अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 28वें स्थान पर रहीं। अदिति का कुल स्कोर अंडर 279 रहा। वह शीर्ष 10 खिलाड़ियों में जगह नहीं बना सकी लेकिन इस प्रतियोगिता में उन्होंने अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह एक साल पहले इस प्रतियोगिता में संयुक्त 17वें स्थान पर रही थीं।

अदिति ने लगातार नौ पार के साथ शुरुआत की और फिर लगातार चार बोगी कीं, जिससे शीर्ष 10 में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें धूमिल हो गईं।

व्यापार समाचार

भारतीय टीम वाशिंगटन में, अधिकारी बोले

आज से शुरू होगी दोनों देशों के बीच टैरिफ पर बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच हालिया टैरिफ प्रकरण के बीच यह व्यापार वार्ता के लिए अधिकारियों की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों को कृषि और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में पूर्व की चर्चा में सामने आई समस्याओं का समाधान करना है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक और दौर की वार्ता के लिए वाशिंगटन पहुंच गई है। यह बातचीत सोमवार (आज देर शाम) से शुरू होगी। एक अधिकारी सोमवार को इसकी पुष्टि की। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल बुधवार को टीम में शामिल होंगे। दोनों देशों के बीच होने वाली यह चार दिवसीय वार्ता गुरुवार को समाप्त होगी। अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बीटीए के लिए भारत के उप मुख्य वार्ताकार बीटीए के पहले चरण पर वार्ता के लिए वाशिंगटन पहुंच गए हैं।

भारत और अमेरिका के बीच हालिया टैरिफ प्रकरण के बीच यह व्यापार वार्ता के लिए अधिकारियों की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों को कृषि और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में पूर्व की चर्चा में सामने आई समस्याओं का समाधान करना है। इस बीच, अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने को 1 अगस्त तक के लिए टाल दिया है।

पिछले हफ्ते एक अधिकारी ने कहा था कि हम

द्विपक्षीय व्यापार समझौते के अंतरिम या पहले चरण में कोई अंतर नहीं कर रहे हैं। हम पूरे समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। जो भी समझौता हो जाएगा, उसे हम अंतरिम समझौते के तौर पर पेश कर सकते हैं और बाकी के लिए बातचीत जारी रहेगी। इस महीने की शुरुआत में भारतीय टीम वार्ता के लिए वाशिंगटन में थी, जहां 26 जून से 2 जुलाई तक वार्ता चली थी। टीम एक बार फिर वार्ता के लिए अमेरिका पहुंच गई है।

कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अब तक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। भारत इस अतिरिक्त शुल्क (26 प्रतिशत) को हटाने की मांग कर रहा है। वह स्टील और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत) और ऑटो (25 प्रतिशत) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। इनके विरुद्ध, भारत ने विश्व व्यापार संगठन (ड्ब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के तहत प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। हालांकि, इसे जल्द ही 90 दिनों के लिए 9 जुलाई और फिर 1 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

7 जुलाई से ट्रम्प प्रशासन ने बांग्लादेश, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, थाईलैंड, दक्षिण अफ्रीका, बोस्निया और हर्जेगोविना, कंबोडिया, कजाकिस्तान, लाओस, सर्बिया और ट्यूनीशिया सहित अपने कई व्यापारिक साझेदारों को टैरिफ पत्र जारी किए हैं। अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पादों और कृषि वस्तुओं जैसे डेयरी उत्पाद, सेब, वृक्ष नट्स और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क में रियायत चाहता है। दूसरी ओर, भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, रत्न व आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले के लिए शुल्क रियायत की मांग कर रहा है। दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए बातचीत इस साल सितंबर-अक्तूबर तक पूरी करना चाहते हैं। उससे पहले, वे एक अंतरिम व्यापार समझौते पर भी विचार कर रहे हैं। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.78 प्रतिशत बढ़कर 17.25 अरब डॉलर हो गया।

भारत को हरित ऊर्जा में मिली बड़ी सफलता

समय से पहले हासिल किया 50% गैर-जीवाश्म ईंधन लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारत ने कुल 484.8 गीगावाट स्थापित क्षमता में से 242.8 गीगावाट यानी गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि भारत ने अपने निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2030 से पूरे पांच साल पहले हासिल कर ली है।

भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर लिया है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

484.8 गीगावाट में से 242.8 गीगावाट का लक्ष्य किया हासिल: उन्होंने बताया कि देश ने कुल 484.8 गीगावाट की स्थापित क्षमता में से 242.8 गीगावाट अब गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त की है। यह उपलब्धि भारत ने अपने निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2030 से पूरे पांच साल पहले हासिल कर ली है।

भारत का 2030 का लक्ष्य: देश में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की प्रतिबद्धता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

जोशी ने कहा स्वच्छ भारत की दिशा में बड़ा कदम: जोशी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में एक बड़ी जलवायु प्रतिबद्धता पूरी हुई है। भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता अब 484.8 गीगावाट है, जिसमें 242.8 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आती है, जो हमारी हरित प्रगति का एक शक्तिशाली प्रमाण है। यह केवल एक मील का पत्थर नहीं है। यह 2047 तक हरित, स्वच्छ भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि 2030 के लक्ष्य से पांच वर्ष पहले ही 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। पीएम मोदी का नेतृत्व भारत के हरित परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है और आत्मनिर्भर और टिकाऊ भविष्य का मार्ग दिखा रहा है।

अमेरिका ट्रेडिंग कंपनी ने एस्क्रो खाते में जमा किए 4,843.50 करोड़

मुंबई। अमेरिका की ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट ग्रुप ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पक्ष में एक एस्क्रो खाते में 4,843.50 करोड़ रुपए जमा किए हैं। इस राशि को जमा पूंजी बाजार नियामक के निर्देश पर किया गया है। सेबी का आरोप है कि शेयर बाजार में गलत प्रथाओं से जेन स्ट्रीट ग्रुप ने करोड़ों रुपए कमाए, जिसके चलते नियामक ने अमेरिकी कंपनी को भारतीय शेयर बाजार में प्रवेश पर बैन कर दिया था। इस महीने की शुरुआत में सेबी ने वॉल स्ट्रीट की इस कंपनी पर तब तक भारतीय शेयर बाजार में कारोबार करने पर बैन लगा दिया था। जब तक कि वह 4,843.5 करोड़ रुपए एस्क्रो खाते में जमा नहीं कर करती।

चीन का निर्यात जून में 5.8 प्रतिशत बढ़ा

बीजिंग। चीन के निर्यात में जून महीने में तेज़ी दर्ज की गई, जिससे व्यापार क्षेत्र में सुधार के संकेत मिले हैं। सोमवार को जारी सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, चीन का निर्यात सालाना आधार पर 5.8 फीसदी बढ़ा, जबकि मई में यह वृद्धि 4.8 फीसदी थी। इसी दौरान आयात में भी 1.1 फीसदी की वृद्धि हुई, जो इस साल पहली बार दर्ज की गई है। हालांकि, अमेरिका को निर्यात में 16 फीसदी की गिरावट आई है, लेकिन यह मई की 34.5 फीसदी की गिरावट की तुलना में काफी कम है। अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार विवाद में दोनों देशों ने कुछ शुल्कों को अस्थायी रूप से वापस लेने का फैसला किया है। फिर भी, ट्रंप प्रशासन ने 35 फीसदी तक का नया शुल्क लगाया है। व्यापार में यह सुधार अप्रैल-जून तिमाही में चीन की आर्थिक वृद्धि बढ़ा सकता है। इस तिमाही के आर्थिक आंकड़े मंगलवार को जारी होंगे।

भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स

नई दिल्ली। भारत में स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है और कई कंपनियां यूनिकॉर्न की कैटेगरी में आ चुकी हैं। यूनिकॉर्न कंपनी वह होती है जिसकी वैल्यू एक अरब डॉलर से अधिक होती है। दुनिया में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर है, उसके बाद चीन और फिर भारत का स्थान है। वर्तमान में अमेरिका में लगभग 793 यूनिकॉर्न हैं, जबकि चीन में 284 और भारत में 88 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। यूरोप, यूके, सिंगापुर, इजरायल जैसे अन्य देशों में भी यूनिकॉर्न्स की अच्छी संख्या देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी यूनिकॉर्न कंपनी एलन मस्क की स्पेसएक्स है।

जून में खुदरा मुद्रास्फीति छह साल के निचले स्तर 2.10 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल से अधिक के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। मुख्य कारण सब्जियों, दालों, मांस और दूध सहित खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून 2024 में 5.08 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि जून, 2024 की तुलना में जून, 2025 के लिए सीपीआई पर आधारित वर्ष-दर-वर्ष मुद्रास्फीति दर 2.1 प्रतिशत है।

इसमें कहा गया है, मई 2025 की तुलना में जून 2025 की हेडलाइन मुद्रास्फीति में 72 आधार अंकों की गिरावट है। यह जनवरी 2019 के बाद साल-दर-साल सबसे कम मुद्रास्फीति है। इससे पहले जनवरी 2019 में 1.97 प्रतिशत की न्यूनतम दर दर्ज की गई थी।

एनएसओ ने कहा कि जून 2025 में हेडलाइन मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियों, दालों और उत्पादों, मांस और मछली, अनाज और अन्य उत्पादों, चीनी और मिष्ठान्न, दूध और उत्पादों और मसालों की कीमतों में नरमी के कारण कारण है।

विलय के बाद एचडीएफसी बैंक की मजबूती बरकरार, सीईओ बोले

वर्ष 26 में ऋण वृद्धि बाजार के बराबर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन ने भरोसा दिलाया कि चालू वित्त वर्ष में बैंक का अग्रिम ऋण उद्योग के बराबर रहेगा और अगले साल यह इससे भी अधिक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऋण वृद्धि में सुधार और विलय के बाद बैंक का आकार काफी मजबूत हो गया है।

एचडीएफसी बैंक को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026 में उसका ऋण बैंकिंग उद्योग के औसत के बराबर बढ़ेगा और अगले साल वह इस औसत से आगे निकल जाएगा। यह बात एचडीएफसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शशिधर जगदीशन ने हितधारकों को भेजे संदेश में कहा।

जगदीशन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025

बैंक के विलय के बाद का पहला पूरा साल था। इस दौरान बैंक ने मजबूत वृद्धि दर्ज की और उच्च गुणवत्ता वाली संपत्ति को बनाए रखा। एचडीएफसी लिमिटेड का एचडीएफसी बैंक में 1 जुलाई 2023 को विलय हो गया, जिससे यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बन गया।

शुद्ध लाभ और शुद्ध ब्याज में आई वृद्धि: उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में शुद्ध लाभ 10.7 प्रतिशत बढ़कर 67,347.4 करोड़ रुपये हो गया, जबकि शुद्ध ब्याज आय में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक की बैलेंस शीट 8 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 39,10,199 करोड़ रुपये हो गई। सकल एनपीए कुल ऋण का 1.33 प्रतिशत था। कुल ऋण 5.4 प्रतिशत बढ़कर 26,19,609 करोड़ रुपये हो गया, जबकि जमा 14.1 प्रतिशत बढ़कर 27,14,715 करोड़ रुपये हो गया।

उच्च लागत वाले कर्ज में आई गिरावट: सीईओ ने कहा कि बैंक की जमा राशि कर्ज के मुकाबले 2.5 गुना तेजी से बढ़ी है। उच्च लागत वाले उधारों का प्रतिशत घटकर 14% रह गया। वहीं क्रेडिट-टू-डिपॉजिट रेशियो विलय के समय के लगभग 110% से घटकर मार्च 2025 तक 96% हो गया है।

शाखाओं की बाजर में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ी: जगदीशन ने बताया कि बैंकिंग प्रणाली में शाखाओं की 5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ, बैंकिंग जमाओं में हिस्सेदारी 11 प्रतिशत पहुंच गई है।

मंगेतर की हत्या के मामले में दोषी महिला को सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा जीवनदान, फैसले की हो रही है चर्चा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत की सर्वोच्च अदालत यानी की सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिया गया एक फैसला काफी चर्चा का विषय बन गया है। कोर्ट ने मंगेतर की हत्या की दोषी महिला और उसके साथी को एक बड़ा जीवनदान दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी और उम्रकैद की सजा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस केस को गलत तरीके से किया गया विद्रोह और रोमांटिक भ्रम का मामला बताया है और दोनों को ही कर्नाटक के राज्यपाल से क्षमादान की मांग करने के लिए 8 हफ्ते का समय दिया है।

दरअसल, शुभा शंकर ने साल 2003 में अपने प्रेमी अरुण और दो अन्य (दिनाकरन और वेंकटेश) की मदद से अपने मंगेतर गिरीश की हत्या कर दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा है कि अपराध के समय ज्यादातर आरोपी किशोर थे। कोर्ट ने कहा है कि अगर परिवार ने महिला पर शादी का दबाव नहीं बनाया होता, तो एक निर्दोष युवक की जान बच जाती।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह इस मामले को एक अलग नज़रिए से देखना चाहती है ताकि अपीलकर्ताओं को एक नया जीवन मिल सके, जिन्होंने एक जघन्य अपराध किया है। भले ही ए-4 (महिला) की समस्याओं के समाधान के लिए अन्य वैकल्पिक रास्ते मौजूद हों। कोर्ट ने इस मामले में इमोशनल और सोशल ब्रेकडाउन को रेखांकित किया जो कि अपराध के लिए जिम्मेदार है। कोर्ट ने दोषियों को माफी के लिए राज्यपाल थावर चंद गहलोत से संपर्क करने के लिए आठ हफ्ते का समय दिया है और उनसे मामले की परिस्थितियों पर ध्यान देने का आग्रह किया है।

कोर्ट ने कहा है कि जब तक इन याचिकाओं पर विधिवत विचार नहीं हो जाता और फैसला नहीं होता, तब तक अपीलकर्ताओं को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा और उनकी सजा निलंबित रहेगी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने ये फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हम केवल दोषसिद्धि सुनाकर अपना फैसला समाप्त नहीं करना चाहते। न्यायालय की भूमिका और भी अधिक है।

हत्या या हादसा पटना से लापता बैंक मैनेजर की रहस्यमय मौत, कुएं से मिला शव

पटना ■ एजेंसी

राजधानी पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र से सोमवार रात एक निजी बैंक के मैनेजर अभिषेक वरुण रहस्यमय तरीके से लापता हो गए थे। अब उनका शव शव मंगलवार को बेउर थाना क्षेत्र के एक कुएं से बरामद किया गया है। अभिषेक की गुमशुदगी के बाद से पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी और इस घटना ने शहर में हड़कंप मचा दिया है।

कंकड़बाग थाना क्षेत्र के निवासी अभिषेक वरुण सोमवार देर रात अपनी पत्नी के साथ एक पार्टी से लौटे थे। उनकी पत्नी घर आ गईं, लेकिन अभिषेक ने बाद में आने की बात कही थी, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पा रहा था।

अभिषेक के भाई के अनुसार, देर रात लगभग 2:45 बजे अभिषेक ने अपनी पत्नी को फोन कर बताया कि उनका एक्सीडेंट हो गया है। इस कॉल के तुरंत बाद उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई। रात भर इंतजार के बाद भी जब अभिषेक घर नहीं लौटे, तो मंगलवार सुबह उनकी पत्नी ने कंकड़बाग थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने अभिषेक के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की, जिसकी आखिरी लोकेशन बेउर थाना क्षेत्र में मिली। यह इलाका अभिषेक के आखिरी बार देखे जाने की जगह से लगभग चार किलोमीटर दूर एक सुनसान क्षेत्र है। कंकड़बाग थाने में स्नह्धक्र दर्ज होने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और सभी थानों को अलर्ट कर दिया गया है। आज सुबह अभिषेक का शव बेउर इलाके के एक कुएं से मिलने के बाद पुलिस ने उनके निधन की पुष्टि की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अब इस मामले की गहनता से जांच कर रही है कि यह दुर्घटना है, आत्महत्या या फिर इसके पीछे कोई और रहस्य छुपा है।

संक्षिप्त समाचार

निमिषा प्रिया की फांसी में बचे बस कुछ ही घंटे... मां ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली। केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी में अब महज कुछ ही घंटे बचे हैं और उनकी मौत का दिन यानी 16 जुलाई तेजी से करीब आता जा रहा है। निमिषा को यमन में अपने बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फांसी की सजा हुई है और उन्हें बचाने की हर कोशिश अब तक नाकाम रही है। उनके बचने का अब एक ही रास्ता है और वो कि महदी का परिवार ब्लड मनी के बदले में निमिषा को माफी दे दे जिससे कि अब तक वो इनकार करते आए हैं। निमिषा के बचने की कम होती गुंजाइश के बीच उनकी मां प्रेमा कुमारी लगातार कह रही हैं कि बेटी को लिए बगैर वो यमन से वापस नहीं आएंगी. निमिषा की मां ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने निमिषा से अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया है. मुलाकात से पहले निमिषा ने जेल प्रशासन के जरिए परिवार को एक मैसेज भेजा था।

ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद का इस्तीफा

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार से समर्थन वापस लेने वाली नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद अरुण कुमार चौधरी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनका त्यागपत्र अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक हफ्ते पहले ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसी के साथ पार्टी की तरफ से सरकार में सहभागी नागरिक उड्डयन तथा पर्यटन राज्यमंत्री अरुण कुमार चौधरी ने भी अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। चौधरी ने कहा है कि उन्होंने पांच दिन पहले इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। प्रधानमंत्री ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध छिड़ जाता, डोनाल्ड ट्रंप ने फिर लिया क्रेडिट

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आए दिनों दुनिया भर में जो युद्ध हो रहे हैं, उसमें समझौता कराने का श्रेय लिया जा रहा है। भारत और पाकिस्तान बीच जब युद्ध शुरू हुआ और फिर दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ, उसे लेकर भी डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने यह समझौता कराया है, जबकि पीएम नरेंद्र मोदी और भारत सरकार द्वारा इसे सिरे से नकार दिया गया है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से वही राग अलापा है। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम युद्धों को सुलझाने में सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान की लड़ाई जिस तरह से चल रही थी, उससे तो भारत और पाकिस्तान के बीच एक सप्ताह के भीतर ही परमाणु युद्ध छिड़ जाता।

पुलिस वालों को डराने वाला सांपबाज हिस्ट्रीशीटर मुल्ला अरशद गिरफ्तार

संभल ■ एजेंसी

पुलिस चौकी के निर्माण को रोकने के लिए चौकी के भीतर जिंदा सांप छोड़ देने जैसी हैरान करने वाली हरकत को अंजाम देने वाला हिस्ट्रीशीटर अपराधी मुल्ला अरशद अब पुलिस की गिरफ्त में है. तीन साल से फरार चल रहे इस कुख्यात बदमाश को संभल की नखासा थाना पुलिस ने मादक पदार्थों के एक पुराने मामले में धर दबोचा. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मुल्ला अरशद पर हत्या, मादक पदार्थ तस्करी, सरकारी कार्य में बाधा, दंगे और भय पैदा करने जैसे 25 से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज हैं.

2022 में दीपा सराय इलाके में जब पुलिस चौकी निर्माण का काम शुरू हुआ था, तब अचानक पुलिस कर्मियों को चौकी के भीतर जिंदा सांप छोड़ने की घटना ने दहशत फैला दी थी. इस साजिश को किसी और ने नहीं, बल्कि संभल के कुख्यात अपराधी मुल्ला अरशद की थी. उसका मकसद था पुलिस बल को डराकर चौकी निर्माण रुकवाना और इलाके पर अपनी आपराधिक पकड़ बनाए रखना. उस समय आरोपी पुलिस की पकड़ से निकल गया था, लेकिन उसकी करतूत पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गई थी.

बताया जा रहा है कि 24 नवंबर 2024 को संभल में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा के बाद प्रशासन अलर्ट पर आ गया था. हालात काबू में लाने के लिए 9 दिसंबर को पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई के निर्देश पर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया. इसी दौरान तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी ने भारी पुलिस बल के साथ दीपा सराय क्षेत्र के तीमारदास सराय में स्थित मुल्ला अरशद के ठिकाने पर दबिश दी। हालांकि मुल्ला अरशद वहां से फरार हो चुका था।

समोसे-जलेबी पर पाबंदी लगेगी, तो बर्गर-पिज्जा भी बंद हो, मिलिंद देवड़ा का केंद्र पर निशाना

मुंबई ■ एजेंसी

शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने सोमवार को केंद्र सरकार की ओर से स्ट्रीट फूड जैसे समोसा और जलेबी पर रेगुलेशन लगाने के फैसले की कड़ी आलोचना की. उन्होंने कहा कि अगर सरकार को ये कदम जरूरी लगता है, तो फिर मैकडॉनल्ड्स जैसे फूड चेन पर भी वैसी ही सख्ती होनी चाहिए.

एएनआई से बातचीत में देवड़ा ने कहा,अगर सरकार जलेबी और समोसे पर प्रतिबंध लगाने की बात कर रही है, तो फिर बर्गर, पिज्जा और डोनट्स जैसे विदेशी जंक फूड पर भी वही नियम लागू होने चाहिए. अगर हम सड़क किनारे समोसा बेचने वाले छोटे दुकानदारों को रेगुलेट करेंगे, तो मैकडॉनल्ड्स जैसे बड़े रेस्टोरेंट पर भी वैसा ही नियंत्रण होना चाहिए।

मिलिंद देवड़ा ने यह भी कहा कि भारत में मोटापा तेजी से बढ़ती समस्या है और यह आगे चलकर सामाजिक और आर्थिक चुनौती बन सकता है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए एंटी-ओबेसिटी (मोटापा-विरोधी) कैंपेन की सराहना की, लेकिन यह भी जोर दिया कि भारतीय और विदेशी जंक फूड के लिए नियम समान होने चाहिए।

उन्होंने कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय ने जलेबी और समोसे जैसे अनहेल्दी इंडियन फूड्स पर रेगुलेशन्स लागू करने की कोशिश की है. यह मामला फिलहाल अधीनस्थ विधान समिति के पास है, जो इस पर अध्ययन कर रही है. हम स्नस्स्न्ढ्ढ और स्वास्थ्य मंत्रालय से लगातार बातचीत कर रहे हैं। हमारी समिति जल्द ही इस मुद्दे पर संसद में रिपोर्ट पेश करेगी।

देवड़ा ने यह भी कहा कि अमेरिका में मोटापा एक बड़ी चुनौती बन चुका है और मल्टीनेशनल फूड चेन्स भारत में वेस्टर्न फूड कल्चर ला रहे हैं, जिसका एक नकारात्मक असर मोटापे के रूप में सामने आ रहा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मोटापा और गैर-संक्रामक बीमारियों पर नियंत्रण के लिए हाल ही में एक नई पहल शुरू की है. इसके तहत सभी सरकारी मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों को ऑयल एंड शुगर बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं यानी ऐसे पोस्टर या डिजिटल बोर्ड, जो लोगों को यह जानकारी दें कि वे कितना फैट और शुगर खा रहे हैं।

इस कदम के तहत जल्द ही सरकारी दफ्तरों की कैंटीनों और आम क्षेत्रों में जागरूकता संदेश दिखाई देंगे. वहीं, मेन्यू में भी बदलाव करके फलों, सब्जियों और कम फैट वाले भोजन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

कानपुर में कांवड़ियों ने काटा बवाल, थाने पर किया जमकर हंगामा, तोड़ डाले खिड़कियों के शीशे

कानपुर ■ एजेंसी

कानपुर के शिवराजपुर में कांवड़ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु के घायल होने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया. साथी कांवड़ियों ने पुलिसकर्मी और स्काउट को दोषी ठहराते हुए उनके साथ मारपीट कर दी. इसके बाद लगभग 80-90 लोग मौके से शिवराजपुर थाने पहुंच गए और वहां भी हंगामा मचाया.

आरोप है कि कांवड़ियों और भीड़ में शामिल अन्य लोगों ने थाने के भीतर घुसकर दारोगा और सिपाहियों से कहासुनी करते हुए हाथापाई और अभद्रता की. कुछ लोगों ने थाने की खिड़कियों के शीशे भी तोड़ दिए. पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। फुटेज के आधार पर पुलिस ने 20 नामजद और करीब 12 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज करते हुए पांच आरोपियों को जेल भेज दिया है. घटना खेरेश्वर घाट तिराहे के पास सोमवार शाम को हुई. यहां खेरेश्वर महादेव के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु जुटे थे. ऐसे में भीड़ संभालने के लिए पुलिसकर्मी, स्काउट और कई स्वयंसेवक मौके पर तैनात थे। इस बीच गंगा रोड तिराहे पर एक श्रद्धालु फिसलकर गिर पड़ा. जिसके बाद कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस की लाठी लगने से वह गिरा. इस पर गुस्साई भीड़ ने स्काउट और एक सिपाही की पिटाई कर दी. थाने में भी हंगामा जारी रहा. भीड़ थाने तक पहुंच गई और वहां उत्पात मचाया।

पनामा में 6.2 तीव्रता के भूकंप से कांप गई धरती

नई दिल्ली। दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों में भूकंप की एक के बाद एक लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं। कई बार भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं होता लेकिन कई बार भूकंप इतनी तबाही लाती है जिससे मानवता दहल जाती है। भूकंप की इन घटनाओं के कारण लोगों के अंदर खौफ भर गया है। अब भूकंप का ताजा मामला पनामा से सामने आया है। यहां 6.2 तीव्रता के भूकंप ने लोगों को डरा कर रख दिया है। पनामा में भूकंप की ये घटना सोमवार 14 जुलाई 2025 को रात 10 बजकर 46 मिनट पर हुई है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई और इसका केंद्र पनामा के दक्षिण में धरती से 40 किलोमीटर नीचे था। अधिकारियों के मुताबिक, पनामा के प्रशांत तट पर आए भूकंप में अब तक किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की तत्काल सूचना नहीं है।

इस भूकंप के झटके पश्चिमी पनामा के चिरिकु और आसपास के इलाकों में महसूस किए गए। ये क्षेत्र अक्सर भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि भूकंप के कारण सुनामी का कोई खतरा नहीं है। पनामा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने स्थिति पर नजर रखने की बात कही है।

दौड़ते वक्त रब से बातें करने वाले फौजा सिंह... मैराथन में उम्र को हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहले 20 मील तो आसान थे, लेकिन आखिर के 6 मील के लिए मैं रब से बातें करता रहा..., 89 साल की उम्र में लंदन में आयोजित लाइफ की पहली मैराथन दौड़ने वाले एथलीट फौजा सिंह ने रेस पूरी करने के बाद यह बयान दिया था। पंजाब के जालंधर में सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में 114 साल के फौजा सिंह का निधन हो गया. भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक फौजा सिंह ने मुंबई से लेकर कनाडा और लंदन में मैराथन दौड़कर अपनी अलग पहचान बनाई थी।

फौजा सिंह का जन्म एक अप्रैल 1911 को पंजाब के जालंधर जिले के ब्यास पिंड में हुआ था. उन्होंने 89 साल की उम्र में इंटरनेशनल लेवल पर मैराथन दौड़ना शुरू किया. इस उम्र में मैराथन दौड़ने के उनके फैसले ने लोगों को हैरान कर दिया। फौजा सिंह को अपने इस जुनून की वजह से च्टर्बन्ड टॉरनेडो (पगड़ी वाला तूफान) के नाम से जाना जाता था. उनकी बायोग्राफी का टाइटल भी यही है। साल 2004 में फौजा सिंह ने 93 साल की उम्र में लंदन मैराथन पूरी की. 2011 में 100 साल की उम्र में उन्होंने टोरंटो मैराथन पूरी की और 100 प्लस की कैटेगरी में रिकॉर्ड बनाया. वह दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक थे. लेकिन उन्हें जिंदगी में एक बात का मलाल था कि वह अग्रेंजी बोल और पढ़ नहीं पाते थे. साल 2012 लंदन ओलंपिक की मशाल थाम चुके फौजा सिंह सिर्फ पंजाबी जानते थे और उन्हें अंग्रेजी समझने के लिए भी एक ट्रांसलेटर की जरूरत पड़ती थी.

पंजाब के जालंधर में जन्मे फौजा सिंह का शुरुआती जीवन आसान नहीं था. बचपन में एकदम दुबले-पतले दिखने वाले फौजा को बाकी के लड़के डंडा कहकर चिढ़ाते थे. शुरुआत में कमजोरी की वजह से पैरों में कुछ दिक्कत थी, इसलिए पांच साल की उम्र तक उनके लिए चल पाना तक मुश्किल था. बाद में बड़ी मुश्किल से चल पाए तो एक किलोमीटर से ज्यादा चलना उनके लिए मुमकिन नहीं था. लेकिन धीरे-धीरे पिता के साथ खेतों में काम करते हुए शरीर को मजबूत किया।

महाराष्ट्र में जारी है भाषा विवाद

क्या उद्धव और राज ठाकरे की मराठी पॉलिटिक्स की काट है उज्ज्वल निकम की राज्यसभा में एंट्री?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

महाराष्ट्र में भाषा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा. मराठी और अंग्रेजी के साथ एक से पांचवीं कक्षा तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य करने के महाराष्ट्र सरकार के आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने आंदोलन का ऐलान किया था. महाराष्ट्र सरकार ने थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का आदेश वापस ले लिया, लेकिन यह विवाद थमता नजर नहीं आ रहा.

महाराष्ट्र में जल्द ही बीएमसी और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव होने हैं और सत्ताधारी महायुति की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) मराठी अस्मिता की सियासी पिच पर घिरी नजर आ रही है. महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद के बीच राज्यसभा में चार सदस्य मनोनीत किए गए.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जिन चार सदस्यों को उच्च सदन के लिए मनोनीत किया है, उनमें एक नाम चर्चित सरकारी वकील उज्ज्वल निकम का भी है. उज्ज्वल निकम के राज्यसभा सदस्य मनोनीत होने के बाद अब बात इसे लेकर भी हो रही है कि क्या उनका मनोनयन उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की मराठी पॉलिटिक्स की काट है?

उज्ज्वल निकम एक मराठी परिवार से आते हैं. निकम का जन्म जलगांव के एक संभ्रांत मराठी परिवार में हुआ था और उनके पिता न्यायिक सेवा में जज थे. उज्ज्वल निकम को पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने टिकट दिया था. हालांकि, कोर्ट रूम में अजेय निकम सियासत में अपना डेब्यू मैच हार गए थे. बीजेपी संदेश, संकेत और प्रतीकों की सियासत में दक्ष मानी जाती है और मराठी विवाद के बीच अब मराठा उज्ज्वल निकम का देश के उच्च सदन में मनोनयन भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है.

महाराष्ट्र के मुंबई में ही रहने वाले राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी ने कहा कि उज्ज्वल निकम बड़े वकील हैं, लेकिन एंटी मराठी नैरेटिव काउंटर करने में कारगर होंगे भी या नहीं? यह भविष्य ही बताएगा. हां, बीजेपी ने ठाकरे बंधुओं के इस नैरेटिव को काउंटर करने के लिए अपने सबसे बड़े चेहरे को आगे कर दिया है.

न्होंने कहा कि उज्ज्वल निकम से पीएम मोदी का मराठी में बात करना मराठी समुदाय के लिए बीजेपी की ओर से यह संदेश है कि हमारा सबसे बड़ा नेता भी मराठी बोलता है, मराठी जानता है, उसका सम्मान करता है और यह मुद्दा अब यहीं पर समाप्त हो जाना चाहिए।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।

दैनिकअमृत दर्शन

6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

प्रतिबंध के बावजूद मड चैलेंज रैली का ट्रायल

उफनती नदी में फिर दौड़ीं गाड़ियां

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल से सटे रायसेन जिले में मड चैलेंज रैली का ट्रायल किया गया, जो प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद आयोजित किया गया। इस दौरान राइडर्स ने उफनती नंदोरा नदी में अपनी कारें और जीप उतारकर बहाव के बीच से गाड़ियों को निकाला। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, भोपाल और उसके आसपास के इलाकों में मड चैलेंज रैली की तैयारी करने वाले ड्राइवर्स ने रायसेन और सीहोर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। दर्जन भर से ज्यादा ट्रेंड ड्राइवर्स भारी बारिश से उफनाई नंदोरा नदी में उतरे और तीन से चार फीट गहरे पानी में गाड़ियों को दौड़ाया। इस दौरान कुछ वाहन नदी की धार में बंद भी हो गए, जिन्हें रस्सियों और अन्य वाहनों की मदद से बाहर निकाला गया।

ड्राइवर्स का कहना है कि मड चैलेंज रैली के लिए गाड़ियों को विशेष रूप से तैयार किया जाता है। इनमें हैवी व्हीकल पार्ट्स, सेफ्टी इक्यूपमेंट्स और सुरक्षा गियर शामिल किए जाते हैं ताकि आपात स्थिति में ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

हालांकि प्रशासन ने बीते वर्षों में इन आयोजनों को लेकर सख्ती दिखाई है। पर्यावरणीय क्षति और हादसों की आशंका को देखते हुए भोपाल जिला प्रशासन और पुलिस ने इस तरह के आयोजन पर प्रतिबंध लगा रखा है। कुछ साल पहले एक मड चैलेंज आयोजन के दौरान एक किशोर की मौत हो गई थी, जिसके बाद नियम और सख्त कर दिए गए थे। हाल ही में भोपाल के कोहेफिजा इलाके में सैफिया कॉलेज ग्राउंड में मड चैलेंज की तैयारी कर रहे युवकों को पुलिस ने हिदायत देकर हटाया था, बावजूद इसके लोग नियमों की अनदेखी कर जोखिम भरे ऐसे आयोजनों में जुटे हुए हैं।

कॉलेज स्टूडेंट्स से रेप और ब्लैकमेलिंग मामला

कोर्ट में चालान पेश, दबाव बनाकर मुस्लिम धर्म अपनाने का जिक्र

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कॉलेज स्टूडेंट्स से गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग मामले में पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया है। चालान में युवतियों पर दबाव बनाकर मुस्लिम धर्म अपने की बात सामने आई है।

धर्म पूछकर रैप और ब्लैकमेलिंग मामले का चालान जहांगीराबाद थाना ने कोर्ट में पेश किया है। चालान में कोर्ट में बताया कि पीड़िता को लेकर आरोपी फरहान दोस्त के घर गया था। उसके दोस्त के घर पहले से ही कुछ और दोस्त मौजूद थे। पीड़िता को अलग कमरे में ले जाकर रेप किया। रेप के बाद जबरदस्ती वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया। हालांकि मामले में पुलिस ने सभी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और सभी आरोपी सलाखों के पीछे है।

सरकार ने भी सख्ती दिखाई

हालांकि हिंदू लड़कियों के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग का मामला मध्य प्रदेश का बहुचर्चित मामला है। इस मामले में सरकार ने भी सख्ती दिखाई है। सभी आरोपी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका और सभी आरोपी सलाखों के पीछे हैं। पुलिस अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही है। जांच में भी पीड़िता के साथ ब्लैकमेलिंग और मुस्लिम धर्म अपनाने को लेकर दबाव बनाने की बात भी सामने आ रही है।

18 क्रेट अमानक ब्रांड की पानी की बोतलें जब्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल रेल मंडल के वाणिज्य विभाग ने कुशीनगर एक्सप्रेस (22538) से 18 क्रेट अनएप्रूव्ड ब्रांड की पानी की बोतलें जब्त की हैं। यह बोतलें रेलवे की स्वीकृत सूची में नहीं थीं और न ही विक्रेताओं के पास कोई वैध अनुमति या बिल उपलब्ध था।

जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि कुशीनगर एक्सप्रेस में अवैध रूप से घटिया गुणवत्ता का पानी बेचा जा रहा है। सूचना मिलते ही विभाग ने तत्काल एक संयुक्त टीम गठित की, जिसमें स्टेशन मास्टर (कॉमर्शियल) एके खरे, मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक सुनील वर्गीस, मंडल वाणिज्य निरीक्षक विनोद वर्मा और कैटरिंग इंस्पेक्टर भोपाल मेघा नागदेव को शामिल किया गया। जैसे ही ट्रेन भोपाल स्टेशन पर पहुंची, टीम ने योजना के तहत ट्रेन में चढ़कर जांच शुरू की। पैंट्री और वेडिंग पॉइंट्स के आसपास तलाशी ली गई, जहां से बड़ी मात्रा में बिना अनुमति वाला पानी बरामद किया गया। कार्रवाई के बाद सभी बोतलों को जब्त कर नियमानुसार अगली प्रक्रिया के लिए भेजा गया। रेलवे न केवल अनुबंध शर्तों के पालन के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि यात्रियों के स्वास्थ्य और विश्वास की सुरक्षा भी हमारी प्राथमिकता है। इस तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आज से 200 ट्रेनों के रिजर्वेशन चार्ट बनेंगे 8 घंटे पहले

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश से रेल में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी और जरूरी खबर सामने आई है। आज (15 जुलाई) से 200 ट्रेनों के रिजर्वेशन चार्ट अब 8 घंटे पहले बनेंगे। इनमें शताब्दी, वंदे भारत, भोपाल एक्सप्रेस समेत 200 ट्रेन शामिल है। अब यात्री पहले जानकारी मिलने से विकल्प तलाश कर यात्रा कर सकेंगे। अभी 4 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट तैयार होता था।

दरअसल भोपाल मंडल सहित पश्चिम मध्य रेलवे में 16 जुलाई से आठ घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट जारी हो जाएगा। पश्चिम मध्य रेलवे में अब ट्रेन के प्रस्थान समय से आठ घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट जारी किया जाएगा। इससे यात्रियों को अपने टिकट की कन्फर्मेशन स्थिति के बारे में पहले से पता चल सकेगा।

इस नए नियम से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बेहतर ढंग से बनाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था से यात्रियों को पहले से टिकट कन्फर्म या नहीं पता चल सकेगा। ट्रेनों की आरक्षण सूची 15-16 जुलाई की रात 12 बजे जारी हो जाएगी। वेटिंग लिस्ट में शामिल यात्रियों को इससे बड़ी सुविधा मिलेगी।

ओबीसी को 52 प्रतिशत आरक्षण और छात्र संघ चुनाव की मांग

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में दलित पिछड़ा समाज संगठन (डीपीएसएस) और भीम आर्मी, ओबीसी संगठन ने ओबीसी आरक्षण और छात्र संघ चुनाव सहित कई अहम मुद्दों को लेकर 30 जुलाई 2025 को मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान घेराव करने का ऐलान किया है। डीपीएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने कहा कि 1931 की जातिगत जनगणना के अनुसार, ओबीसी की जनसंख्या कम से कम 52त्न है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस सरकारें केवल 27त्न आरक्षण की बात करती हैं। उन्होंने मोहन सरकार से ओबीसी को 52प्रतिशत आरक्षण देने की स्पष्ट मांग की है।

30 को दलित- पिछड़ा समाज संगठन करेगा विधानसभा का घेराव

इसके अलावा, संगठन ने ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने, छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने, सम्राट अशोक जयंती को राजकीय अवकाश घोषित करने और भोपाल में जाति प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया को सरल करने जैसे मुद्दों को भी उठाया है।

दामोदर यादव ने बताया कि इस आंदोलन में पूरे प्रदेश से हजारों युवा, छात्र, संगठन के कार्यकर्ता और किसान शामिल होंगे। 30 जुलाई को दोपहर 2 बजे भोपाल के शिवाजी चौराहा (रेड क्रॉस) से विधानसभा की ओर मार्च शुरू होगा।

नगर पालिका अधिकारी निलंबित

भोपाल। मध्यप्रदेश के दतिया जिले में निर्माणाधीन तालाब में 3 बच्चियों के डूबने से मौत मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इसी कड़ी में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी इंदरगढ़ महेंद्र सिंह यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कर्तव्यों में लापरवाही पर प्रभारी सीएमओ महेंद्र सिंह यादव को निलंबित किया गया है। नगर परिषद इंदरगढ़, जिला दतिया में निर्माणाधीन भुजरिया तालाब में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही से बीते 12 जुलाई को तीन बच्चियों की डूबने से मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि तालाब निर्माण के दौरान आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय नहीं अपनाए गए थे।

अनियमितता और उदासीनता पर प्रशासन ने की कार्रवाई

मध्यप्रदेश में बारिश का कहर जारी

कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात, नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश के जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, मंडला, श्योपुर, सिवनी, उमरिया, और छतरपुर समेत कई जिलों में पिछले एक सप्ताह से लगातार बारिश ने तबाही मचा दी है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिर चुके हैं, जहां मकान, दुकानें और यहां तक कि अस्पतालों में भी पानी भर गया है। मां नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

मौसम विभाग ने आज भी 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रदेश में 16 जून से शुरू हुए मानसून के बाद से ही तेज बारिश का दौर जारी है। अब तक औसतन 18 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य कोटे की आधी है। निवाड़ी में 103प्रतिशत तक बारिश दर्ज की गई है, जबकि मंडला और टीकमगढ़ में बारिश का कोटा 75प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों यानी 18 जुलाई तक तेज बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। प्रशासन और निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

एनएसयूआई के प्रदर्शन के बाद आरजीपीवी में पहली कार्रवाई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), भोपाल में फैली अनियमितताओं के खिलाफ एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर के नेतृत्व में 3 घंटे के प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आ गया है। एनएसयूआई की 7 सूत्रीय मांगों में सबसे पहली कार्रवाई करते हुए उप कुलसचिव प्रोफेसर राजेश भार्गव को पीएचडी प्रभारी के पद से हटा दिया गया है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने इस कार्रवाई को लेकर भी विश्वविद्यालय प्रशासन पर सवाल खड़े किए उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रार द्वारा जारी आदेश में पुरानी तारीख (10 जुलाई) में हस्ताक्षर कर आदेश जारी किया गया, जबकि यह निर्णय एनएसयूआई के दबाव के बाद लिया गया है। इस संबंध में एनएसयूआई ने कुलपति के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है और इसे भ्रम फैलाने और सत्य छुपाने का प्रयास बताया है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि यह कार्रवाई एनएसयूआई के संघर्ष का परिणाम है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन पुरानी तारीख डालकर अपने बचाव का प्रयास कर रहा है। एनएसयूआई ने इस प्रकरण में भी कुलपति से पारदर्शिता की मांग की है। अक्षय तोमर ने कहा कि एनएसयूआई की प्रमुख मांगें जिन पर कार्रवाई की मांग की गई जिसमें से प्रथम और द्वितीय बिंदु पर तत्काल कार्रवाई की गई ।

पीएचडी प्रभारी राजेश भार्गव हटाए गए

थाना नजीराबाद ने पकड़ी 17 पेटी अवैध शराब, आरोपी फरार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल देहात की नजीराबाद थाना पुलिस ने एंडेवर गाड़ी समेत 17 पेटी कुल 153 लीटर शराब पकड़ी है। जानकारी के मुताबिक आरोपी पुलिस को देखकर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मामले में पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी को जल्द पकड़ लिया जाएगा। थाना प्रभारी नजीराबाद अरुण शर्मा ने बताया कि थाना नजीराबाद को मुखबिर से सूचना मिली थी की ग्राम गूजर तोड़ी के पास एक सफेद रंग की फोर्ड एंडेवर गाड़ी जिसमें अवैध शराब रखी है। जब मौके पर नजीराबाद थाना पुलिस की टीम ने दबिश दी तो पुलिस को देखकर आरोपी गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मामले में थाना प्रभारी अरुण शर्मा का कहना है आरोपी का पता लगाया जा रहा है। मामले मे नजीराबाद पुलिस ने आबकारी धाराओं में केस दर्ज विवेचना में लिया गया है ।

शराब को पकड़ने में इन लोगों की रही अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नजीराबाद अरुण शर्मा का अहम योगदान रहा क्योंकि उन्होंने देर ना करते हुए मुखबीर सूत्र की सूचना के बाद तुरंत कार्रवाई के लिए टीम को रवाना किया। जिसमें सहायक उप निरीक्षक सागर सिंह, सहायक उप निरीक्षक उमेश यादव शामिल थे।

बदमाशों के खिलाफ राजधानी पुलिस ने छेड़ा अभियान

कुख्यात बदमाश फैजान (चिकना) का पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल की टीला जमालपुरा पुलिस ने एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश इंद्रा नगर में दहशत फैलाने खुलेआम तलवार लेकर घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर गत रात उसे पकड़ लिया गया। बाद में उसका जुलूस निकाला गया।

इसी तारतम्य मे मिुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मोहम्मद फैजान उर्फ चिकना जो सलमान बाबा वाली गली इन्द्रा नगर में तलवार हवा मे लहरा रहा है, जिससे जनता में भय व्याप्त हो गया है कि सूचना पर तत्काल टीम को मुखबिर बताये स्थान सलमान बाबा वाली गली इन्द्रा नगर धडपकड हेतु रवाना किया गया। जिनके द्वारा सलमान बाबा वाली गली इन्द्रा नगर मे दबिश दी गई जो बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे हिकमतअमली से घेराबंदी कर पकडा, जिसने अपना नाम मोहम्मद फैजान उर्फ चिकना पिता मोहम्मद अमीन उम्र 40 साल निवासी मनं 593 रईस रेडियो का मकान इन्द्रा नगर थाना टीलाजमालपुरा भोपाल को होना बताया एवं बदमाश के कब्जे से एक धारदार तलवार को मौके पर विधिवत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। जप्तशुदा तलवार धारा 25/27 आर्म्स एक्ट की परिधि में आने से विधिसम्मत कार्यवाही की जाकर अप.क्र. 189/25 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट कायम किया गया। बदमाश थाना टीलाजमालपुरा का कुख्यात अपराधी है जिसके विरूद्ध हत्या, मारपीट, चोरी, अडीवाजी, अवैध शस्त्र जैसे गंभीर कुल 22 अपराध रायसेन व भोपाल के विभिन्न थानो मे पंजीबद्ध है।

कुख्यात बदमाश जो लगभग डेढ वर्ष से थाना कोतवाली रायसेन के (1) अप.क्र. 595/24 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस 136 विद्युत अधि. के मामले मे वर्ष 2024 से फरार था जिसकी तलाश पर कोई पता नही चला जिस पर पुलिस अधीक्षक रायसेन के द्वारा उक्त आरोपी के विरूद्ध फरार होने से पत्र क्रमांक - पु.अ. /रायसेन/डीसीवी/07/2005 दिनांक 20/01/25 के माध्यम से आरोपी के विरूद्ध 2000/- रूपये का ईनाम उदघोषित किया था आरोपी इस प्रकरण के अलावा (2) थाना टीलाजमालपुरा के अपराध क्र 106/25 धारा 281, 125(ए) 115(2) 118(1) बीएनएस, (3) अप.क्र. 118/25 धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के मामले मे विधिवत गिरफ्तारी की गयी जिसे न्यायालय में पेश किया।

अमृत दर्शन भोपाल

तत्काल आवश्यकता

कार्यलय कार्य हेतु एक लिपीक मेल/फीमेल जिसे कम्प्यूटर का पूर्ण ज्ञान हो अच्छा वेतन अनुभवी को प्राभमिकता

संपर्क करें अमृत दर्शन भोपाल

तुरंत संपर्क करें

6, सुखसागर, पत्रकार नगर, लिंक रोड़ नं. 3, भोपाल

मोबाईल नं.: 9827054436

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।